



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण

दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ

प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

Digital Edition

2017 से पहले छात्रों की छात्रवृत्ति के पैसे भी खा गई थी तत्कालीन सरकार : सीएम योगी



(यंग भारत न्यूज़)

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पूर्ववर्ती सरकार पर छात्रवृत्ति में सेंधमारी का आरोप लगाते हुए कहा कि 2016-17 में अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति तक नहीं भेजी गई. तत्कालीन सरकार छात्रों की छात्रवृत्ति भी खा गई थी.

वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद पिछली बकाया छात्रवृत्ति भी विद्यार्थियों तक पहुंचाई गई. पहले बाबूगिरी में



छात्रवृत्ति पर सेंध लगती थी, अब डीबीटी से पूरा पैसा सीधे छात्र के खाते में पहुंच रहा है. सीएम योगी ने लोकभवन सभागार में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने एक क्लिक से 4,60,559 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में 148 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि भेजी. मुख्यमंत्रीने कहा कि यह शुरुआत है. इस वर्ष छात्रवृत्ति का लाभ 70 लाख विद्यार्थियों तक पहुंचाने का लक्ष्य है. पिछले वर्ष 69 लाख विद्यार्थियों को 6,200 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति दी गई. वर्ष 2017 से पहले इस

मद में करीब 2,900 करोड़ रुपए खर्च होते थे. उन्होंने पात्र विद्यार्थियों तक 26 जनवरी तक हर हाल में छात्रवृत्ति पहुंचाने के निर्देश दिए. पिछले वर्ष आवेदन या तकनीकी त्रुटि के कारण वंचित करीब चार लाख विद्यार्थियों को भी इसका लाभ दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि धन के अभाव में किसी विद्यार्थी की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए. पात्र छात्र तक समय से पैसा पहुंचाने के लिए धन की कमी नहीं है. मुख्यमंत्रीने विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति की राशि फिजूल खर्च न करने और उससे अच्छी किताबें खरीदकर अपना बुक बैंक तैयार करने को कहा. मुख्यमंत्रीने कहा कि जिन लोगों के लिए अपना परिवार ही प्रदेश हो गया था, वे 25 करोड़ लोगों के बारे में कहां सोच पाते. इसी कारण उत्तर प्रदेश पिछड़ता गया. छात्र परेशान थे, युवा बेहाल थे और बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा खतरे में थी. उन्होंने कहा कि 2017 से पहले युवाओं के सामने

पहचान का संकट था. दंगे होते थे, कर्फ्यू लगता था और सरेआम गुंडागर्दी होती थी. आज उत्तर प्रदेश बीमारू प्रदेश नहीं, रेवेन्यू सरप्लस स्टेट और देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है. उन्होंने कहा, 'नो कर्फ्यू, नो दंगा, अब यूपी में है सब चंगा.' प्रदेश में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है. अगले छह महीने में एक लाख और युवाओं को नौकरी देने का लक्ष्य है. परीक्षाएं हो रही हैं, परिणाम आ रहे हैं और युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं. मुख्यमंत्रीने कहा कि 2017 से पहले बेसिक शिक्षा में ड्रॉपआउट 19 से 20 प्रतिशत तक था. ऑपरेशन कायाकल्प से विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, फर्नीचर, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई. बेसिक शिक्षा परिषद के 1.60 करोड़ बच्चों को यूनिफॉर्म, बैग, किताब, जूते-सोजे और स्वेटर के लिए धनराशि दी जा रही है. उन्होंने कहा कि सभी 18 मंडलों में अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं।

राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध चुने जाएंगे 10 सांसद, या समाजवादी पार्टी तीसरी सीट के लिए आजमाएगी दांव?

(यंग भारत न्यूज़)

उत्तर प्रदेश में 16 अक्टूबर को राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में बीजेपी के पास 8 और समाजवादी पार्टी के पास 2 सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। हालांकि सपा तीसरी सीट के लिए भी जोर लगा सकती है। दूसरी तरफ बीजेपी के लिए नौवीं सीट का रास्ता आसान नहीं है।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में दो विरोधी खेमे बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन और समाजवादी पार्टी के नेतृत्व वाला इंडिया गठबंधन मैदान में हैं। यह चुनाव इन गठबंधनों के अंदर विश्वास, वफादारी और छवि की परीक्षा बन गए हैं। बीजेपी के पास आठ सीटें जीतने और समाजवादी पार्टी के पास दो सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। हालांकि खबर है कि दोनों पार्टियों ने 16 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए अतिरिक्त नामांकन पत्र खरीदे हैं। इसका मतलब यही है कि वे अपने अतिरिक्त



पार्टी के विधायक रमाकांत यादव जेल में हैं। इन हालात में इन दोनों के वोटिंग में शामिल होने की संभावना कम है। विधानसभा में 255 विधायकों के साथ बीजेपी के पास सबसे अधिक ताकत है। उसके पास एनडीए में शामिल सहयोगी दल, अपना दल के 13, राष्ट्रीय लोक दल के 9, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के 6 और निषाद पार्टी के 5 विधायक हैं। इस तरह सहयोगी पार्टियों के कुल 33 वोट हैं। बीजेपी को राजा भैया के नेतृत्व वाली जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के दो विधायकों के साथ-साथ तीन निर्दलीय विधायकों मनोज पांडे, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह का भी समर्थन मिलने की आशा है। इससे बीजेपी के लिए प्रभावी संख्या बल लगभग 293 हो जाएगा। समाजवादी पार्टी के पास आधिकारिक तौर पर 101 विधायक हैं और उसकी सहयोगी कांग्रेस के पास दो विधायक हैं। हालांकि सपा के दो विधायक पूजा पाल और विनोद चतुर्वेदी पहले ही बीजेपी खेमे में जा चुके हैं और संभावना यही है

फूलन देवी बनकर बदला लूंगी', बदायूं में जलती झोपड़ी के सामने युवती का फूटा गुरूसा

(यंग भारत न्यूज़)

बदायूं: बदायूं जिले के कादरचौक थाना क्षेत्र के लभारी गांव में सामने आए वायरल वीडियो ने पूरे घटनाक्रम को अचानक सुर्खियों में ला दिया है। वीडियो में एक युवती जलती झोपड़ी के सामने खड़ी होकर पुलिस-प्रशासन और लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाती दिखाई दे रही है। युवती का आरोप है कि जबरन घर में घुसकर उसकी झोपड़ी में आग लगा दी गई। इसी दौरान वह आक्रोश में फूलन देवी बनकर बदला लूंगी, कहती सुनाई देती है।



एफआईआर के मुताबिक लभारी निवासी नन्ही देवी ने अपनी भूमि की पैमाइश करारक कब्जा दिलाने के लिए

इसके बाद 29 सितंबर को राजस्व टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची और भूमि की पैमाइश कर संबंधित पक्ष को कब्जा दिलाने की कार्रवाई की गई।

लेखपाल ने दी जानकारी

हल्का लेखपाल धीरेंद्र सिंह की तहरीर के मुताबिक आरोप है कि कार्रवाई के बाद मौके पर डाली गई नौव को दूसरे पक्ष के लोगों ने उखाड़ दिया। शिकायत मिलने पर एक अक्टूबर को लेखपाल धीरेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ दोबारा मौके पर पहुंचे। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और

झोंपड़ी में आग लगने की घटना सामने आई।

9 लोगों पर एफआईआर

लेखपाल की तहरीर पर नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में सरकारी कार्य में बाधा डालने के साथ झोंपड़ी में आग लगाए जाने से जुड़े आरोप भी दर्ज हैं। यानी पुलिस के सामने अब केवल जमीन का विवाद नहीं, बल्कि आग की घटना और वायरल वीडियो में लगाए गए गंभीर आरोपों की जांच भी है। लभारी की कहानी फिलहाल दो अलग-अलग दावों के बीच खड़ी है।

ब्राह्मणों को साधने के लिए आराधना मिश्रा मोना तथा मुस्लिमों के लिए फायर ब्राण्ड नेता इमरान मसूद

यूपी में कांग्रेस ने किया फेरबदल, आराधना मिश्रा कांग्रेस की नई अध्यक्ष बनीं, इमरान मसूद बनाए गए कार्यकारी अध्यक्ष

अखिलेश के पीडीए को कांग्रेस ने दे दी शह

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज़)

लखनऊ : कांग्रेस ने यूपी में बड़ा बदलाव किया है. प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से पार्टी की विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' को यूपी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इस पद से अजय राय की छुट्टी हो गई है. शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की. इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. वहीं देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है.



नए अध्यक्ष सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं. लड़ेंगे, जीतेंगे! हर-हर महादेव ब्राह्मण वोट को साधने की तैयारी : विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा दांव खेला है. पार्टी ने एक ब्राह्मण को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों को लेकर हो रही सियासत को साधने का प्रयास किया है. महिला ब्राह्मण विधायक आराधना मिश्रा के जरिए कांग्रेस को लग रहा है कि उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण अब भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़कर कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़ेंगे. जिससे यूपी

में पार्टी की स्थिति बेहतर होगी. मुस्लिमों को पार्टी में लाने की जुगत : जिस तरह से अध्यक्ष, एक क 1 र्व क 1 री अध्यक्ष और दो उपाध्यक्ष बनाए हैं उनमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह से चुनाव को देखते हुए समीकरण साधे गए हैं. ब्राह्मणों को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी जहां आराधना मिश्रा की होगी, वहीं मुस्लिमों को कांग्रेस के साथ लाने का जिम्मा इमरान मसूद उठाएंगे. दलित और ओबीसी पर भी फोकस : पूर्व में अनुसूचित जाति के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके दलित आलोक प्रसाद को दलितों को जोड़ने का जिम्मा सौंपा गया है. जबकि देवेंद्र निषाद के जरिए ओबीसी को पार्टी के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है. इससे पहले हाल ही में कांग्रेस ने जब मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग का चेयरमैन बदला तो डॉ.

सीपी राय को हटाकर कुंवर सिंह निषाद को चेयरमैन बनाया. नेता विधान मंडल दल भी ओबीसी वर्ग से वीरेंद्र चौधरी को बनाकर पार्टी ने पिछड़ा वर्ग को भी अहमियत दी है. पिता की विरासत बेटी ने संभाली : कांग्रेस की नई प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा तीन बार ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं. उसके बाद उन्होंने अपने पिता प्रमोद तिवारी की विरासत संभाली और तीन बार से लगातार विधायक बन रही हैं. जिस सीट से उनके पिता प्रमोद तिवारी नौ बार लगातार विधायक बने थे उसी सीट पर उनकी बेटी अब लगातार विधायक बन रही हैं. प्रमोद तिवारी वर्तमान में राजस्थान से कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं और राज्यसभा में उप नेता भी हैं. अजय राय की मेहनत पर फिरा पानी : अजय राय ने अगस्त 2023 में प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली थी. इसके बाद 2024 में लोकसभा चुनाव हुए. कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन हुआ. प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस चुनाव में पूरा जोर लगाया और पार्टी को बड़ी विजय दिलाई. जहां 2019 में कांग्रेस सिर्फ एक लोकसभा सीट जीतने में सफल हुई थी, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर छह हो गई. पार्टी ने दिया जोर का झटका : यही नहीं, बनारस से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने लोकसभा चुनाव में ताल ठोकी और ऐसा पहली बार हुआ कि उन्होंने लाभग्राही छह या सात राउंड तक प्रधानमंत्री मोदी को वोटों के मामले में पीछे छोड़ा. अजय राय लगातार कहते आए हैं कि चुनाव आयोग ने अगर बेईमानी न की होती तो प्रधानमंत्री मुझसे चुनाव हार गए थे. उन्होंने हाल ही में इसकी जांच की मांग भी की थी. हालांकि अब प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को कांग्रेस पार्टी ने जोरदार झटका दिया है. उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया है. प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष के बीच चल रहा था कोल्ड वॉर : कांग्रेस आलाकमान ने दलित नेता राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाकर भेजा था. शुरुआत में तो प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और राजेंद्र पाल गौतम की बनी, लेकिन फिर तनातनी का सिलसिला शुरू हो गया. कई ऐसे मौके आए जब उन्होंने साथ में मंच और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी साझा करना सही नहीं समझा. सवाल खड़े हुए, सियासी गलियारों में चर्चाएं भी खूब हुईं. अजय राय थे खफा : राजेंद्र पाल गौतम ने राहुल गांधी से मिलकर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को हटवाने और आराधना मिश्रा को प्रदेश अध्यक्ष बनवाने में अहम भूमिका निभाई. प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मीडिया एंड कम्युनिकेशन विभाग के

चेयरमैन और प्रवक्ता बनवाने में भी नहीं चली. इससे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी खफा चल रहे थे. हालांकि उन्होंने आलाकमान के खिलाफ कोई नाराजगी नहीं जताई. अजय राय ले सकते हैं बड़ा फैसला : प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद अब अजय राय बड़ा फैसला ले सकते हैं. कांग्रेस पार्टी अगर उन्हें रोकना चाहती है तो हो सकता है कि उन्हें किसी राज्य का प्रभारी बनाया जाए, नहीं तो चर्चाएं ऐसी हैं कि वह अनुग्रिया पटेल की पार्टी अपना दल (सोनेलाल) में शामिल हो सकते हैं. इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी की तरफ से भी अजय राय से कई बार संपर्क साधा जा चुका है. ऐसे में कोई बड़ी बात नहीं होगी कि अजय राय घर वापसी कर लें. भारतीय जनता पार्टी का दामन थामकर फिर से कमल खिलाएं. भाजपा प्रवक्ता ने कसा तंज : वहीं इमरान मसूद के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि मुस्लिम वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण में कांग्रेस सपा से आगे निकल गई है. नेतृत्व के इशारे पर सपा के खिलाफ बोलने पर इमरान मसूद को इनाम मिला है. सपा के लिए गठबंधन में चुनौतियां बढ़ गई हैं. संभव है गठबंधन में अब कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिल जाएं.



किराए पर रहने आई महिला, 2 भाईयों से बनाए संबंध.वो गायब हो गई

3 दिन में तड़प-तड़प कर मरे दोनों युवक!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के बिजनौर में दो चचेरे भाइयों की महज तीन दिन के अंतराल में हुई मौत ने पूरे इलाके में खलबली मचा दी है. दोनों की जांच में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि होने की बात सामने आई है.मामला तब और चर्चा में आ गया, जब परिजनों और स्थानीय लोगों ने दोनों भाइयों के एक महिला किराएदार के संपर्क में रहने की बात बताई. महिला के वहां से जाने के बाद दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी थी. हालांकि, महिला से ही संक्रमण फैलने की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है. मामले के बाद स्वास्थ्य विभाग गांव में काउंसलिंग और जांच की तैयारी कर रहा है. बिजनौर शहर से सटे एक गांव में करीब दो साल से एक महिला किराए पर रह रही थी. इस दौरान मोहल्ले के दो चचेरे भाई (एक 51 वर्षीय व्यक्ति और उसका 43 वर्षीय चचेरा भाई) उस महिला के संपर्क में आए और उनके बीच नजदीकी संबंध बन गए. कुछ



समय बाद वह महिला अचानक मकान खाली करके चली गई. महिला के जाने के बाद दोनों भाइयों की तबीयत अचानक तेजी से बिगड़ने लगी, जिससे परिवार में चिंता की लहर दौड़ गई.

जब स्थानीय स्तर पर डॉक्टरों से इलाज कराने के बाद भी बड़े भाई की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ, तो परिजन उसे एम्स

ऋषिकेश ले गए. वहां डॉक्टरों ने जब उसकी जांच की, तो रिपोर्ट देखकर सब के होश उड़ गए. उसे गंभीर एचआईवी संक्रमण होने की पुष्टि हुई. सांस लेने में गंभीर परेशानी और ऑक्सीजन पर रहने के बाद तीन दिन पहले उसकी मौत हो गई. इसके ठीक तीन दिन बाद उसके 43 वर्षीय सुधार नहीं हुआ, तो परिजन उसे एम्स

गई, जिसमें भी संक्रमण की पुष्टि हुई थी. एक ही परिवार के दो सदस्यों की इस तरह रहस्यमयी और दर्दनाक मौत से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है. यह बात भी सामने आई है कि उस महिला के घर पर अन्य कई लोगों का भी आना-जाना था. जब से एड्स से दोनों भाइयों की मौत की बात फैली है, तब से संपर्क में आए अन्य लोगों के बीच अपनी स्वास्थ्य जांच को लेकर भारी डर और हड़कंप का माहौल बना हुआ है. मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने तुरंत संज्ञान लिया है. उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए गांव में एक विशेष स्वास्थ्य टीम भेजने के निर्देश दिए हैं, जो लोगों को काउंसलिंग करेगी. चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि घबराने के बजाय अधिकृत स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर अपनी गुप्त रूप से जांच करानी चाहिए. समय पर सही इलाज मिलने से इस जानलेवा बीमारी के खतरे को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है.

रात 9:45 का शो, सीट नंबर एफ-12 और...प्रयागराज में 1 मूवी टिकट ने खोला 60 साल के ससुर और बहु का खौफनाक सच

(यंग भारत न्यूज)

प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे परिवार को हिलाकर रख दिया. एक सिनेमा टिकट ने बैंक क्लर्क बेटे के सामने उसकी पत्नी और पिता के रिश्ते को लेकर ऐसा राज खोल दिया, जिसके बाद घर में जमकर हंगामा हुआ.

36 साल के बैंक क्लर्क अजय ने अपने 60 वर्षीय पिता रामलाल और 32 वर्षीय पत्नी रीना के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया है. अजय का आरोप है कि दोनों के बीच पिछले एक साल से संबंध थे. मामले का खुलासा 30 सितंबर की रात के एक पीवीआर टिकट से हुआ. जानकारी के मुताबिक, अजय बैंक में क्लर्क है. उसकी शादी करीब 8 साल पहले रीना से हुई थी. दोनों का एक 6 साल का बेटा भी है. अजय की मां का कुछ साल पहले निधन हो चुका है. इसके बाद उसके पिता रामलाल उसी के साथ रहने लगे थे. अजय के मुताबिक, 1 अक्टूबर की शाम वह अपनी पत्नी के पर्स से कुछ निकाल रहा था. इसी दौरान उसे पीवीआर का एक मूवी टिकट मिला. टिकट पर 30 सितंबर रात 9:45 बजे का शो और सीट नंबर स्र-12 और स्र-13 लिखा था. अजय के अनुसार, उस दिन



उसकी पत्नी रीना ने बताया था कि वह अपनी सहेली के घर गई है और रात करीब 11 बजे वापस लौटी थी. टिकट देखने के बाद अजय को शक हुआ और उसने मामले की जानकारी जुटाने का फैसला किया. शक होने पर अजय पीवीआर पहुंचा और टिकट की जानकारी से जुड़ा रिकॉर्ड चेक करवाया. बताया गया कि दोनों टिकट एक साथ बुक किए गए थे. इनमें एक टिकट रीना के नाम पर था, जबकि दूसरा उसके पिता रामलाल के नाम पर बुक था. अजय ने जब दोनों से इस बारे

में सवाल किया तो शुरुआत में दोनों टालमटोल करते रहे. हालांकि, टिकट और रिकॉर्ड सामने रखने के बाद दोनों ने रिश्ते की बात स्वीकार कर ली. अजय का आरोप है कि उसके बैंक जाने के बाद उसके पिता और रीना घर में मिलते थे. यह भी बताया गया कि रामलाल ने रीना को महंगे कपड़े, सोने की चूड़ियां और नया मोबाइल दिलाया था. इसके अलावा उसे पलैट दिलाने का वादा करने की बात भी सामने आई है. जब यह बात परिवार के सामने आई तो घर में जमकर हंगामा हुआ.

अजय के चाचा और रीना के मायके वालों को भी बुलाया गया. परिवार के लोगों ने इस रिश्ते को गलत बताया. इसके बाद अजय थाने पहुंचा और अपने पिता व पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी और साजिश का मुकदमा दर्ज कराया. मामले में पुलिस ने मूवी टिकट और पीवीआर रिकॉर्ड को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है. पूछताछ के दौरान रामलाल ने कथित तौर पर कहा कि वह रीना से प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है. वहीं, रीना ने कहा कि वह अजय के साथ खुश नहीं थी. पुलिस ने फिलहाल दोनों को चेतावनी देकर छोड़ दिया है. हालांकि, केस की कानूनी प्रक्रिया आगे चलेगी. मामले के बाद अजय ने तलाक की अर्जी भी लगा दी है. इसके साथ ही उसने अपने 6 साल के बेटे की कस्टडी मांगी है. फिलहाल रीना अपने मायके में है. बताया जा रहा है कि उसके माता-पिता ने भी उससे दूरी बना ली है. इस पूरे मामले में इस्तेमाल हुआ मूवी टिकट किसी व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया. इसके बाद यह मामला तेजी से वायरल हो गया और शहर में इसकी चर्चा होने लगी. सोशल मीडिया पर अजय के समर्थन में थोड़ी टुट्ट करने लगा.

दुश्मनों को फंसाने के लिए बेटे ने ही मां को मार डाला, 26 महीने बाद खुला रामबेटी हत्याकांड का राज

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के बरेली में 26 महीने पुराने रामबेटी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। भमोरा थाना क्षेत्र के कुड्डा गांव में 6 अगस्त 2024 को हुई 55 वर्षीय रामबेटी की हत्या के मामले में पुलिस ने उनके बेटे महेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, महेंद्र ने अपनी मां की हत्या इसलिए की, ताकि परिवार के अपने विरोधियों को इस मामले में फंसाया जा सके। लंबे समय तक हत्या का आरोप पड़ोस और रिश्तेदारी के लोगों पर लगाता रहा, लेकिन जांच आगे बढ़ने के बाद पूरी कहानी ही बदल गई। 6 अगस्त 2024 की रात रामबेटी घर के बाहर पेड़ के नीचे तख्त पर सो रही थीं। इसी दौरान उनके सिर पर किसी भारी वस्तु से हमला किया गया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद उनके बेटे गजेन्द्र की ओर से परिवार के ही नत्थू सिंह, सर्वेश, सुरेंद्र, वीरेंद्र और छोटेदाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान वीरेश उर्फ बाबा का नाम भी मामले में जोड़ा गया था। पुलिस करीब एक साल तक मामले की जांच करती रही, लेकिन नामजद आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत नहीं मिले। इसके बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की। जांच की जिम्मेदारी कैट इंस्पेक्टर संजय धीर को दी गई। एसआईटी ने पहले नामजद आरोपियों की गतिविधियों और घटना के समय उनकी मौजूदगी की पड़ताल की। जांच के दौरान नामजद आरोपियों का दिल्ली स्थित सीबीआई लैब में पॉलीग्राफ टेस्ट कराया गया। पुलिस के मुताबिक, जांच में इन लोगों की हत्या में संलिप्तता के पर्याप्त संकेत नहीं मिले। इसके बाद पुलिस ने दूसरे एंगल से जांच शुरू की और परिवार के सदस्यों की भूमिका भी खंगाली। इसी दौरान महेंद्र पर पुलिस का शक गहराने लगा। रिपोर्ट के अनुसार, महेंद्र ने पॉलीग्राफ टेस्ट कराने से इनकार किया था। पुलिस ने उसके बयानों, घटना के समय उसकी मौजूदगी और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को मिलाकर जांच आगे बढ़ाई। पोस्टमॉल्टम रिपोर्ट में रामबेटी के पेट में अधपचा भोजन मिलने की बात भी सामने आई। विशेषज्ञों की राय के आधार पर पुलिस ने भोजन और हत्या के बीच के समय का मिलान किया, जिससे जांच की दिशा महेंद्र की ओर और मजबूत हुई। जांच में पुलिस को पता चला कि महेंद्र और उसके तहरे भाइयों के बीच राशन की दुकान के कोठे को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, इसी पारिवारिक रंजिश में महेंद्र ने कथित तौर पर विरोधियों को फंसाने की योजना बनाई। पुलिस का कहना है कि उसने अपनी मां की हत्या के बाद ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की, जिससे शक उसके विरोधियों पर जाए। पुलिस के मुताबिक, घटना वाली रात रामबेटी को महेंद्र अपने साथ गांव के बाहर बने घर ले गया था। बाद में उसने अपने बच्चों और पत्नी को दूसरे घर भेज दिया। इसके बाद हत्या की गई। सुबह महेंद्र ने पुलिस को हत्या की सूचना दी। अलग-अलग फोन नंबरों से पुलिस को सूचना दिए जाने की भी जांच की गई और इन नंबरों के इस्तेमाल को महेंद्र से जोड़ा गया। एसआईटी की जांच में मिले मौखिक, भौतिक, चिकित्सकीय और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 30 सितंबर को महेंद्र को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पुलिस के अनुसार उसने मां की हत्या करने की बात स्वीकार की।

बजे पुलिस के 112 नंबर पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की। इसके बाद परिवार लगातार बेटी की तलाश करती रही। पिता का आरोप है कि उसी रात परिजन रतनलाल चौकी पहुंचे और रुचि के लापता होने की तहरीर दी। वहां से उन्हें फैंकट्टी एरिया चौकी जाने के लिए कहा गया। परिजनों के मुताबिक, अगले दिन भी वे चौकी पहुंचे और पुलिस से बेटी की तलाश कराने की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें इंतजार करने को कहा गया। इसके बाद परिवार ने खुद इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। दबौली वेस्ट के एक कैमरे में रुचि जाती हुई दिखाई दी, लेकिन इसके आगे लगे कैमरों में उसका



एलएलबी छात्रा का रेल ट्रैक किनारे झाड़ियों में मिला शव, पिता बोले- ‘4 दिन तक बेटी को खोजते रहे, पुलिस सबूत मांगती रही’

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर में चार दिन से लापता एलएलबी सेकेंडरियर की 23 वर्षीय छात्रा रुचि पाल का शव रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में मिलने से सनसनी फैल गई। गोविंदनगर के दबौली वेस्ट इलाके में शुक्रवार को रेलवे ट्रैक के पास चप्पल मिलने के बाद परिजन पुलिस के साथ तलाश में जुटे।



घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 103 के तहत फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और

वेस्ट निवासी विमल पाल फैक्ट्री एरिया में चाय की दुकान चलाते हैं। परिवार में पत्नी गुड्डा देवी, बेटी रुचि और बेटा विनय हैं। पिता के मुताबिक, रुचि 28 सितंबर की शाम करीब छह बजे घर से कांचिंग पढ़ाने के लिए निकली थी। वह शाम 6:30 से 7:30 बजे तक पहली और 7:30 से 8:30 बजे तक दूसरी कांचिंग पढ़ाती थी। आमतौर पर वह करीब नौ बजे तक घर लौट आती थी, लेकिन उस दिन रात दस बजे तक घर नहीं पहुंची। परिजनों ने उसके मोबाइल पर फोन किया तो फोन बंद मिला। परिवार ने आसपास तलाश शुरू की और रात करीब 12

बजे पुलिस के 112 नंबर पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ की। इसके बाद परिवार लगातार बेटी की तलाश करती रही। पिता का आरोप है कि उसी रात परिजन रतनलाल चौकी पहुंचे और रुचि के लापता होने की तहरीर दी। वहां से उन्हें फैंकट्टी एरिया चौकी जाने के लिए कहा गया। परिजनों के मुताबिक, अगले दिन भी वे चौकी पहुंचे और पुलिस से बेटी की तलाश कराने की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें इंतजार करने को कहा गया। इसके बाद परिवार ने खुद इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। दबौली वेस्ट के एक कैमरे में रुचि जाती हुई दिखाई दी, लेकिन इसके आगे लगे कैमरों में उसका

कोई सुराग नहीं मिला। परिवार का आरोप है कि यदि पुलिस समय रहते इलाके में व्यापक तलाश करती तो शायद रुचि का पता पहले चल सकता था। परिजनों के मुताबिक, तलाश के दौरान उन्हें रुचि की डायरी मिली। उसमें ओमवीर नाम के युवक का मोबाइल नंबर लिखा था। परिवार ने उससे संपर्क किया तो उसने बताया कि करीब एक साल पहले रुचि से उसकी बातचीत होती थी। ओमवीर ने आदर्श मिश्रा नाम के युवक के बारे में भी जानकारी दी और उसका नंबर परिजनों को दिया, परिजनों ने दोनों युवकों के नंबर पुलिस को दिए। उनका आरोप है कि पुलिस ने दोनों को चौकी बुलाकर पूछताछ की, लेकिन बाद में छोड़ दिया। पुलिस अब

इस पहलू समेत रुचि के संपर्क में रहे लोगों और उसके आखिरी दिनों की गतिविधियों की जांच कर रही है। शुक्रवार को परिजन एक बार फिर रेलवे ट्रैक के आसपास रुचि की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें ट्रैक के पास उसकी चप्पल मिली। परिजन चप्पल लेकर पुलिस के पास पहुंचे। पिता का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने चप्पल देखकर उससे यह साबित करने को कहा कि वह रुचि की ही है। इसके बाद परिजनों के दबाव पर पुलिस टीम उनके साथ रेलवे ट्रैक के आसपास पहुंची। चप्पल मिलने वाली जगह से करीब 200 मीटर दूर झाड़ियों में रुचि का श्वत-विश्वत शव मिला। शव देखते ही परिजन बिलख पड़े। मौके पर फॉरेंसिक टीम

को बुलाया गया और साक्ष्य जुटाए गए। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे पिता विमल पाल ने आरोप लगाया कि वह चार दिनों तक बेटी की तलाश में इधर-उधर भटकते रहे। परिवार लगातार पुलिस से खोजबीन कराने की गुहार लगाता रहा, लेकिन पुलिस ने प्रभावी तरीके से तलाश नहीं की। पिता का कहना है कि रेलवे ट्रैक और आसपास का इलाका पहले ही खंगाला जाता तो शायद बेटी का पता चल जाता। उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि परिवार खुद सीसीटीवी फुटेज खंगालता रहा और रेलवे ट्रैक के आसपास तलाश करता रहा। इसी दौरान चप्पल मिलने के बाद शव तक पहुंचा जा सका।

आश्रम जा रही हूं , कहकर निकली महिला फिर नहीं लौटी, युवक के गायब होने के बाद प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जुड़ा नया मामला

(यंग भारत न्यूज)

वृंदावन में प्रेमानंद महाराज के श्रीहित राधा केलि कुंज आश्रम से जुड़ा एक नया मामला सामने आया है। नोएडा की 35 वर्षीय महिला 15 अगस्त 2026 को घर से यह कहकर निकली थी कि वह आश्रम जा रही है। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। कई सप्ताह गुजरने के बाद परिवार उसकी तलाश में वृंदावन पहुंचा है। परिजनों के मुताबिक, महिला पहले भी आश्रम जा चुकी थी और वापस घर लौट आई थी। इस बार उसके नहीं लौटने पर परिवार की चिंता बढ़ गई। पिता उमेश सिंह रिश्तेदारों के साथ वृंदावन पहुंचे और श्रीहित राधा केलि कुंज आश्रम के बाहर बेटी के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की। परिवार का कहना है कि महिला प्रेमानंद महाराज की भक्त रही है और इसी वजह से उन्हें आशंका है कि वह आश्रम या उसके आसपास गई हो सकती है। हालांकि, अभी तक ऐसा कोई पुष्ट प्रमाण सामने नहीं आया है जिससे यह कहा जा सके कि महिला आश्रम में मौजूद थी या वहां पहुंची थी।

रिपोर्टों के अनुसार, महिला के पिता ने आश्रम पहुंचकर अपनी बेटी के बारे में जानकारी लेने की कोशिश की। उनका



कहना है कि उन्हें आश्रम के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया और वहां मौजूद सेवकों से भी उन्हें ऐसा जवाब नहीं मिला जिससे बेटी के बारे में स्थिति साफ हो सके। परिवार अब पुलिस जांच और किसी संभावित सुराग का इंतजार कर रहा है। परिवार की ओर से नोएडा पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराए जाने की बात सामने आई है। परिजन लगातार महिला की तलाश कर रहे हैं और किसी अनहोनी की आशंका को लेकर परेशान हैं। फिलहाल पुलिस जांच से ही यह

साफ हो सकेगा कि वह 15 अगस्त को वास्तव में वृंदावन पहुंची थी या नहीं और उसके बाद वह कहाँ गई। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब हाथरस के अनुज चौधरी के लापता होने को लेकर भी वृंदावन में मामला गर्माया हुआ है। अनुज के परिजन उसे तलाशते हुए आश्रम पहुंचे और बाहर धरने पर भी बैठे। रिपोर्टों के मुताबिक, अनुज की उम्र 16-17 वर्ष बताई गई है और उसके परिवार का कहना है कि वह दीक्षा लेने के बाद लापता हुआ।

यूपी बीजेपी के 100 विधायकों पर एंटी-इनकबेंसी का डर! कट सकता है टिकट, इंटरनल सर्वे ने सबको चौंका दिया

(यंग भारत न्यूज)

यूपी में बीजेपी की लीडरशिप वाली सरकार के इंटरनल सर्वे में जानकारी सामने आई है कि कम से कम 100 विधायकों को एंटी-इनकबेंसी का सामना करना पड़ रहा है।

लखनऊ: यूपी में बीजेपी के कम से कम 100 ऐसे विधायक हैं जो जमीनी स्तर पर एंटी-इनकबेंसी का सामना कर रहे हैं। इनमें से कई विधायकों का अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट काटा जा सकता है। सूत्रों के अनुसार यूपी में बीजेपी की लीडरशिप वाली सरकार के कराए गए इंटरनल सर्वे में इस बात की जानकारी मिली है। यूपी भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने झूझू से पुष्टि की कि मतदाताओं के बीच भरोसा कम होने की रिपोर्टों के बाद लगभग 100 विधायक पार्टी की रखर पर हैं। इन विधायकों को चिन्हित करते समय स्थानीय स्तर पर संगठन के पदाधिकारियों के साथ उनके मतभेदों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया कि मौजूदा विधायकों की उम्मीदवारी को लेकर ऋस से भी फीडबैक लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार भाजपा प्रत्याशियों की जीत की संभावना को मापने के लिए विधानसभा वार फीडबैक जुटाया जा रहा है। टिकटों के बंटवारे में वरिष्ठता, राजनीतिक कद या पुरानी जीतों की संख्या की तुलना में जीत की संभावना को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जा रही है। पार्टी के इंटरनल सर्वे का मानना ​​है कि लगातार दो बार सरकार में रहने के बाद, पूरी सरकार से असंतोष की तुलना में व्यक्तिगत विधायकों से असंतोष पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक नुकसान साबित हो सकता है। यूपी बीजेपी के एक वरिष्ठ राजनेता ने बताया कि पार्टी के थिंक-टैंक ने लोगों में नाराजगी को कम करने और बदलाव लाने के उद्देश्य से युवाओं, महिलाओं और पार्टी संगठन से जुड़े नए चेहरों को मौका देने का सुझाव दिया है। ये सभी बदलाव 2024 के लोकसभा चुनावों को जोड़कर देखा जा रहा है। जिसमें बीजेपी की सीटें 62 से घटकर 33 पर आ गई थीं। सीटों में आई इस गिरावट की वजह न केवल विपक्ष का 'पीडीए' नैरेटिव था, बल्कि कई मौजूदा सांसदों के खिलाफ स्थानीय स्तर पर बना माहौल भी था। आंकड़ों के मुताबिक, बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी के अपने 49 मौजूदा सांसदों को दोबारा मैदान में उतारा था, जिनमें से 27 चुनाव हार गए। सूत्रों का कहना है कि पार्टी विधानसभा चुनाव में इस को दोहराने के मूड में नहीं है। यूपी बीजेपी के वरिष्ठ सदस्य के अनुसार मौजूदा विधायक को लेकर अगर इंटरनल सर्वे में भारी असंतोष होगा तो दो से अधिक बार जीत चुके विधायकों का टिकट भी काटा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, यदि किसी मौजूदा विधायक का अपने क्षेत्र में मजबूत जनाधार बना हुआ है और उसकी जीत की संभावना स्पष्ट दिखती है, तो उसे दोबारा टिकट दिया जा सकता है, चाहे वह कितने भी समय से विधानसभा में क्यों न हो।



बिजनौर सीट पर सिर्फ 1445 वोटों का फेर! बीजेपी, आरएलडी और एसपी की क्यों बढ़ी टेंशन? जानिए पूरा सियासी समीकरण

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही बिजनौर जिले की सदर विधानसभा सीट पर सियासी हलचल तेज हो गई है. बिजनौर सीट उत्तर प्रदेश की उन चुनिंदा सीटों में से एक है, जहां हार-जीत का अंतर बेहद कम रहा है और हर चुनाव में मुकाबला आखिरी राउंड तक सांसें थमा देने वाला साबित होता है. पिछले दो चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस सीट पर किसी भी दल की राह आसान नहीं दिखती.2022 विधानसभा चुनाव: बीजेपी उम्मीदवार सुची मौसम चौधरी ने जीत दर्ज की थी, लेकिन उनकी जीत का अंतर महज 1,445 वोट था. उन्हें 97,165 वोट मिले थे, जबकि सपा-आरएलडी गठबंधन के प्रत्याशी नीरज चौधरी को 95,720 वोट मिले. वहीं बीएसपी की उम्मीदवार रुचि वीरा को 52,000 से अधिक वोट मिले थे. 2024 लोकसभा चुनाव (विधानसभा वार बढ़त): 2024 के आम चुनाव में तस्वीर बदली. बिजनौर विधानसभा क्षेत्र के अंदर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी दीपक सैनी ने बीजेपी-आरएलडी गठबंधन उम्मीदवार चंदन चौहान के मुकाबले 991 वोटों की बढ़त बना ली थी.दो चुनावों के ये करीबी आंकड़े बताते हैं कि इस सीट पर कुछ हजार वोटों का हेयर-फेर भी नतीजे पलट सकता है, बिजनौर विधानसभा क्षेत्र में शहर और ग्रामीण दोनों इलाकों की मिश्रित आबादी है. यहां का जातीय समीकरण काफी दिलचस्प है. मुस्लिम मतदाता: लगभग 1 लाख (सबसे बड़ा वोट बैंक)जाट मतदाता: लगभग 70,000 अनुसूचित जाति (एससी): लगभग 50,000 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) व अन्य: सैनी (25,000), राजपूत (22,000), ऋषय (12,000), ब्राह्मण (10,000), पाल (10,000), नाई (7,000), प्रजापति (6,000) तथा वैश्य, गुर्जर और पंजाबी मतदाता. 2027 में क्या होंगे रनिंग पॉइंट्स? जयंत चौधरी का पाला बदलना: 2022 के विधानसभा चुनाव में जयंत चौधरी की आरएलडी (आरएलडी) सपा के साथ गठबंधन में थी, लेकिन 2027 के चुनाव में आरएलडी बीजेपी गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा है. ऐसे में जाट मतदाताओं का रुख किस ओर रहेगा, यह बड़ा फैक्तर होगा.स्थानीय मुद्दे और गन्ने का भुगतान: स्थानीय पत्रकारों के अनुसार बिजनौर एक किसान बहुल क्षेत्र है [05:47]। गन्ने का समर्थन मूल्य और समय पर भुगतान चुनाव का बड़ा मुद्दा बनता रहा है.उम्मीदवार का चयन: विश्लेषकों का मानना ​​है कि इस नजदीकी मुकाबले वाली सीट पर जीत या हार काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि पार्टिया किस प्रत्याशी को मैदान में उतारती हैं.



बिलाया में जलार्पण कार्यक्रम, ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के महत्व की दी जानकारी

- जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल के उपयोग और जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक
- डब्ल्यूटीपी से उपचारित पानी की गुणवत्ता जांच स्रज्जय किट व प्रयोगशाला से नियमित कराने पर जोर
- ग्रामीणों को जल शपथ दिलाकर पानी की बर्बादी रोकने और टॉटी बंद रखने की अपील

(यंग भारत न्यूज)
उरई। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ के पत्र संख्या 2822 दिनांक 14 सितंबर 2026 के क्रम में गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को जल जीवन मिशन के तहत विकासखंड कोंच के ग्राम बिलाया में जलार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) एवं



अधिसासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान ग्राम प्रधान को जलार्पण कर ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित योजना के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कॉन्ट्रैक्टिंग एजेंसी GVPK के डीजीएम नागेश व उनकी टीम, जल निगम के सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता, पीएमसी टीम, टीपीआई टीम तथा डीसीसी यूनॉप्स के गांधी सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जल जीवन मिशन के तहत संचालित कार्यों कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) एवं

नदी के सतही जल को निर्धारित शोधन प्रक्रिया से उपचारित एवं कीटाणुरहित करने के बाद पेयजल के रूप में सप्लाई किया जाता है। सुबह सात से 10 बजे तक होगी आपूर्ति ग्रामीणों को बताया गया कि गांव में सामान्यतः सुबह सात से 10 बजे तक निर्धारित रोस्टर के अनुसार पेयजल की जाती है। पैंपिंग, बिजली, पाइपलाइन या अन्य तकनीकी समस्या के कारण आपूर्ति प्रभावित होने पर समस्या का निराकरण कर दोबारा जलापूर्ति बहाल की जाती है। जल संरक्षण की दिलाई शपथ कार्यक्रम में ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। पानी लेने के बाद टॉटी बंद रखने, जरूरत के अनुसार ही पानी इस्तेमाल करने, पानी की बर्बादी रोकने और परिवार, मित्रों व पड़ोसियों को भी जल बचाने के लिए जागरूक करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि जल स्रोत और पेयजल व्यवस्था गांव के सामुदायिक संसाधन हैं, इसलिए किट और जिला प्रयोगशाला में नियमित रूप से की जाती है। बेतवा और यमुना

सड़क हादसे में बुझा घर का चिराग, मदद को आगे आया ग्राम प्रधान परिवार पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य में सहयोग का भरोसा

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। अपनों को खोने का दर्द कभी कम नहीं होता, लेकिन मुश्किल की घड़ी में जब कोई मदद के लिए हाथ बढ़ाता है तो टूटते परिवार को एक नई उम्मीद मिलती है। कुछ ऐसा ही मानवीय संवेदना से भरा दृश्य ग्राम पंचायत छिरिया सलेमपुर में देखने को मिला। गांव निवासी सुनील सक्सेना की सड़क हादसे में



असामयिक मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। ऐसे कठिन समय में ग्राम प्रधान सोनल तिवारी ने पीड़ित परिवार को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देकर सहारा बनने का प्रयास किया। प्रधान प्रतिनिधि आशु तिवारी ने परिवार को ढाढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि इस संकट की घड़ी में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार को सरकारी पारिवारिक लाभ योजना, पेंशन सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जल्द से जल्द दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। साथ ही मृतक के बच्चों की पढ़ाई और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। आशु तिवारी ने कहा कि किसी परिवार पर आई विपत्ति के समय उसकी मदद करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य भी है। उनके सामाजिक सरोकार पहले भी सामने आ चुके हैं। पिछले वर्ष उन्होंने एक वाल्मीकि परिवार की बेटी के विवाह में कन्यादान कर परिवार की खुशियों में सहभागी बने थे। सुनील के परिवार को मदद के लिए आगे आए ग्राम प्रधान और प्रधान प्रतिनिधि के इस प्रयास से संकट में धिरे परिवार को आर्थिक संबल के साथ यह भरोसा भी मिला कि दुख की इस घड़ी में गांव के लोग उनके साथ खड़े हैं।

इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन के लिए 23 अक्टूबर को होगा मतदान, 27 को मतगणना जालौन में 24 मतदान केंद्रों के 33 मतदेय स्थलों पर डाले जाएंगे वोट, सुझाव एवं शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव राज ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 23 अक्टूबर 2026 (शुक्रवार) को प्रातः 8 बजे से अपराह्न 4 बजे तक मतदान होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) को कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि जनपद जालौन में स्नातक निर्वाचन के लिए कुल 24 मतदान केंद्रों पर 33 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। निर्वाचन से संबंधित व्यवस्थाओं, सूचनाओं तथा मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय, जालौन में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन से संबंधित किसी प्रकार के सुझाव, शिकायत अथवा जानकारी के लिए जनसामान्य कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05162-250288 पर संपर्क कर सकते हैं। निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं शिकायतों के निस्तारण के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

-कुल 77 शिकायतें प्राप्त, एक का मौके पर निस्तारण, शेष प्रकरणों के समयबद्ध समाधान के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। जिलाधिकारी समीर व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने तहसील जालौन सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में दूर-दराज क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक प्रकरण की प्रकृति को समझते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 77 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों



का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारी शिकायतों को संवेदनशीलता से लेते हुए उनकी वास्तविक स्थिति की जांच करें और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निस्तारण न हो, बल्कि फरियादी को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। पुलिस से संबंधित प्रकरणों पर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देते हुए शिकायतों पर निष्पक्षता एवं गंभीरता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। पूर्व सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील कौंच में प्राप्त शिकायतों पर जिलाधिकारी समीर के निर्देश पर कोंच तहसील क्षेत्र के दो प्रकरणों में कार्रवाई आगे बढ़ाई गई है।

नगर पालिका परिषद कोंच में नौकरी लगवाने के नाम पर धनराशि लिए जाने की शिकायत में सफाई कर्मचारी प्रदीप कुमार को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर 28 सितंबर को निर्लंबित किया गया है। वहीं आउटसोर्सिंग कर्मचारी रामशरण गुप्ता से पुनः साक्ष्यों सहित स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा विस्तृत जांच के लिए त्रिसदस्यीय समिति गठित की गई है। इसी प्रकार ग्राम देवागांव के चकरोड गाटा संख्या 406 से संबंधित शिकायत में राजस्व निरीक्षक लायक सिंह के स्पष्टीकरण एवं अभिलेखों का परीक्षण कर प्रकरण को जिलाधिकारी के अवलोकन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए अग्रसारित किया गया है। दोनों मामलों में नियमानुसार जांच एवं कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी राकेश सोनी, सीओ, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार, मुख्य विकास अधिकारी एच.एन. प्रसाद, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चार जिलों को जोड़ने वाला जोल्हूपुर-हमीरपुर राजमार्ग ध्वस्त, गड़ों में तब्दील हुई सड़क

(यंग भारत न्यूज)

उरई। झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को हमीरपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग-34 से जोड़ने वाला जोल्हूपुर-हमीरपुर राजमार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। करीब 40 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब एक साल से सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। इससे वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी के साथ हादसों का खतरा भी बना हुआ है। सपा के वरिष्ठ नेता अमर सिंह चंदेल ने बताया कि यह मार्ग केवल उरई क्षेत्र के करीब 100 गांवों को ही नहीं जोड़ता, बल्कि कानपुर महानगर समेत हमीरपुर, राठ और महोबा की ओर जाने वाले लोगों के लिए भी प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग से रोडवेज बसों, भारी वाहनों, कारों, टैंपो और दोपहिया वाहनों समेत प्रतिदिन पांच हजार से अधिक वाहनों का आवागमन होने का दावा किया गया है। 2017 में बना था मार्ग, अब जगह-जगह गड्ढे



किसान कल्लू निवासी काशीखेड़ा ने बताया कि जोल्हूपुर से कदौरा होते हुए हमीरपुर को जोड़ने वाला यह मार्ग वर्ष 2017 में बनाया गया था। इसके बाद से सड़क के रखरखाव को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। मनीष पाल निवासी ताहरपुर ने बताया कि सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो चुके हैं। खासकर रात के समय गड्ढे दिखाई नहीं देने से दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। जोल्हूपुर में एनएच-27 से जुड़ने के बाद रेलवे ओवरब्रिज पार कर काशीखेड़ा, जयरामपुर, धमना, लमसर, देवपुरा, बरही बंवा, सुजानपुर, ताहरपुर, बबौना होते हुए मार्ग कदौरा तक पहुंचता है। इस पूरे हिस्से में कई स्थानों पर सड़क की हालत खराब बताई जा रही है। एक साल में 50 घायल, पांच की मौत का दावा स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में जोल्हूपुर से कदौरा के बीच अलग-अलग सड़क हादसों में करीब 50 लोग घायल हुए हैं, जबकि पांच लोगों की मौत हुई है। करीब तीन माह पहले चतेला तिराहा के पास खराब सड़क के कारण दो बाइकों की टक्कर में दो लोगों की मौत होने की बात सामने आई थी। वहीं कुछ माह पहले जोल्हूपुर मोड़ के पास बाइक अनियंत्रित होकर गिरने से एक व्यक्ति की मौत होने की जानकारी भी स्थानीय लोगों ने दी। टेंडर प्रक्रिया पूरी, जल्द शुरू होगा काम लोक निर्माण विभाग खंड-तीन के अधिसासी अभियंता महेंद्र सिंह ने बताया कि जोल्हूपुर-हमीरपुर मार्ग की स्थिति विभाग के संज्ञान में है। स्टेट हाईवे पर जहां-जहां गड्ढे हैं, उन्हें चिह्नित किया गया है। मार्ग की मरम्मत के लिए टेंडर लगाए जा चुके हैं। जल्द ही कार्य शुरू करایा जाएगा।

- एक साल से बदहाल करीब 40 किमी मार्ग पर एक हजार से अधिक छोटें बड़े गड्ढे
- रोजाना पांच हजार से अधिक वाहनों का आवागमन, आए दिन हादसों में लोग हो रहे घायल
- एक साल में 50 लोग घायल, पांच की मौत का दावा; पीडब्ल्यूडी ने जल्द मरम्मत का दिया भरोसा
- जोल्हूपुर में एनएच-27 और हमीरपुर में एनएच-34 को जोड़ता है महत्वपूर्ण राजमार्ग

स्नातक निर्वाचन की तैयारियों पर जिला निर्वाचन अधिकारी की पैनी नजर, 24 मतदान केंद्रों की व्यवस्थाएं समय से दुरुस्त कराने के निर्देश

- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)
उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी समीर ने कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नामित प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक की तैयारियों की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ लेते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराई जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। सभी अधिकारी आयोग द्वारा जारी निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर अपने-अपने दायित्वों के अनुरूप व्यवस्थाएं समय से पूरी करें। निर्वाचन की शुचिता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसी भी



स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने सभी प्रभारी अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों की नियमित समीक्षा करते हुए शेष तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एसडीएम एवं सीओ को निर्देश दिए कि जनपद में स्थित सभी 24 मतदान केंद्रों का सघन भ्रमण कर वहां मतदाताओं के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जाए। निरीक्षण के दौरान जहां भी कोई कमी पाई जाए, उसे मतदान से पूर्व ही दूर करया जाए, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। मतदान कार्मिकों की तैनाती, प्रशिक्षण, मतदान सामग्री, वाहनों की उपलब्धता सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण का शेड्यूल तैयार कर समय से प्रशिक्षण सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती के लिए भी

आवश्यक तैयारियां पूरी करने को कहा, ताकि निर्वाचन के दौरान प्रत्येक स्तर पर प्रभावी निगरानी एवं समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08 बजे से सायं 04 बजे तक मतदान सम्पन्न होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर 2026 को मंडलायुक्त झांसी के न्यायालय कक्ष में सम्पन्न होगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक कार्य को समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें और निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में पूरी गंभीरता बरतें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद सिंह, डीसी मनरेगा सहित समस्त उप जिलाधिकारी आदि मौजूद रहे।

उरई, जालौन। सर्व ब्राह्मण समाज सेवा समिति की बैठक शनिवार को सुहाग महल गेस्ट हाउस उरई में हुई। इसमें समाजहित और सेवा कार्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में शव वाहन के संचालन के लिए डीजल की व्यवस्था, डी-फ्रीजर के रखरखाव और चालक के वेतन को लेकर विचार-विमर्श हुआ। समिति के सदस्यों ने जरूरतमंद लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नई एंबुलेंस की व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव रखा। वहीं, भगवान परशुराम मंदिर के निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने पर भी चर्चा हुई। जल्द ही मंदिर के लिए जमीन चिन्हित करने की बात कही गई। बैठक में विवाह समारोहों में होने वाली फिजूलखर्ची को लेकर भी चिंता जताई गई। सदस्यों ने समाज के लोगों से विवाह में अनावश्यक खर्च से बचने और सादगीपूर्ण आयोजन को बढ़ावा देने की अपील की। बैठक में समाजसेवा से जुड़े अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विनोद चतुर्वेदी, महेंद्र दीक्षित, रामरतन द्विवेदी, अवनीश चंद्र द्विवेदी, नारायण हरि अवस्थी, मनीष शर्मा बच्चू महाराज, मनीष चतुर्वेदी, अवधेश कुमार चतुर्वेदी, गणेश शंकर मिश्रा, राघवेंद्र गौतम, विपिन दीक्षित, संजय व्यास, अनुज शांडिल्य, काजू कुकरगाँव, आकश त्रिवेदी, शिवा दीक्षित, अभिषेक तिवारी मौजूद रहे।

मांगों को लेकर लेखपालों ने भरी हुंकार, 17 से कार्य बहिष्कार की चेतावनी सदर तहसील में दिनभर धरना देकर जताया विरोध, मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। लंबित मांगों को लेकर लेखपालों ने शनिवार को सदर तहसील परिसर में धरना देकर शासन के प्रति नाराजगी जताई। सुबह से शाम तक चले धरने में लेखपालों ने मांगों के शीर्ष निस्तारण की आवाज उठाई। दोपहर में एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष अनूप कुमार तिवारी, सदर तहसील अध्यक्ष अश्वनी कुमार गुप्ता और तहसील मंत्री वीर सिंह के नेतृत्व में लेखपाल धरने पर बैठे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि लगातार बढ़ते कार्यभार के बावजूद लंबे समय से उनकी मांगें लंबित हैं। शासन स्तर पर प्रभावी निर्णय न होने से लेखपालों में असंतोष है। ज्ञापन में लेखपालों का प्रारंभिक वेतनमान लेवल-5 (ग्रेड पे 2800) करने, वेतन विसंगति दूर करने, अंतर्मंडलीय स्थानांतरण पोर्टल दोबारा खोलने और चयन वर्ष 2025-26 की लंबित पदोन्नति सूची जारी करने की मांग की गई। नवनियुक्त लेखपालों की विभागीय परीक्षा का परिणाम घोषित कर स्थायीकरण करने की मांग भी उठाई गई। इसके अलावा स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 500 रुपये, वाहन भत्ता 1500 रुपये और विशेष भत्ता 100 से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह करने की मांग रखी गई। पटल सहायक और प्रभारी राजस्व निरीक्षक का कार्य कर रहे लेखपालों को अवमुक्त करने, ग्राम सचिवालयों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा लेखपाल पद को तकनीकी पद घोषित कर लैपटॉप और मोबाइल देने की मांग भी शामिल रही। संघ पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो 17 अक्टूबर से प्रदेशभर के लेखपाल संपूर्ण कार्य बहिष्कार करेंगे। धरने में जिलाध्यक्ष अनूप कुमार तिवारी, अश्वनी कुमार गुप्ता, वीर सिंह, रौनक वर्मा, दिव्यांश मिश्रा, पवन श्रीवास्तव, संजय चौधरिया, सुमित निरंजन, अनिल, आदर्श चौहान, रोशनी अहिरवार, शालिनी तिवारी, किरन तिवारी, आशीष चौधरी, आशीष गुप्ता, विवेक राठौर, मुकेश सिंह सहित बड़ी संख्या में लेखपाल मौजूद रहे।



मुख्यमंत्री ने 4.60 लाख विद्यार्थियों को दी 148 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति

जालौन के 2,521 छात्र-छात्राओं के खातों में पहुंची 56.36 लाख की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शनिवार को लोक भवन, लखनऊ से पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के 4.60 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में 148 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। मा0 मुख्यमंत्री जी ने बटन दबाकर छात्रवृत्ति की धनराशि अंतरण की प्रक्रिया का शुभारंभ किया।

मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का जनपद में सजीव प्रसारण विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी समीर, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान, मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे और मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। वित्तीय वर्ष 2026-27 में



जनपद जालौन के पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 2,521 छात्र-छात्राओं को 56.36 लाख की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के

माध्यम से भेजी गई। छात्रवृत्ति की धनराशि सीधे खातों में पहुंचने से विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा से जुड़े खर्चों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने

कहा कि छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की व्यवस्था आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा जारी रखने में महत्वपूर्ण सहारा है। उन्होंने विद्यार्थियों से शासन की योजनाओं का लाभ लेकर

पूरी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उनके भविष्य को संवारने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी समीर ने कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक परदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र छात्र-छात्राओं को योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद चौहान ने छात्रवृत्ति योजना को विद्यार्थियों के शैक्षिक भविष्य के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी विद्यार्थी को पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के संबोधन एवं छात्रवृत्ति अंतरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और सुना।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोंच नगर इकाई की नई कार्यकारिणी गठित

(यंग भारत न्यूज)



कोंच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोंच नगर इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान संगठन से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। कार्यक्रम का संचालन खुशी यादव ने किया। बैठक में उरई विभाग संगठन मंत्री सोमू, उरई जिला संयोजक अमन पंडा तथा प्रांत राज विश्वविद्यालय कार्यक्रम संयोजक चिंताशु सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में संगठन की गतिविधियों को मजबूत करने और छात्र-छात्राओं के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। इसके बाद सर्वसम्मति से नगर इकाई की नई कार्यकारिणी घोषित की गई। कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नई कार्यकारिणी में ओपी यादव को नगर अध्यक्ष, लवकेश कुमार, मनोहर सर और नरेंद्र परिहार को नगर उपाध्यक्ष बनाया गया। रामजी अग्रवाल को नगर मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। कीर्ति श्रीवास्तव, विशाखा, प्रखर शर्मा और खुशी यादव को नगर सहमंत्री बनाया गया। मुकेश यादव को नगर एसएफएस संयोजक और ऋषिका पुरोहित को सहसंयोजक की जिम्मेदारी मिली। अभिषेक को नगर एसएफडी संयोजक तथा माही को सहसंयोजक बनाया गया। सोनिया को नगर आरकेएम संयोजक नियुक्त किया गया। प्रिंस और आर्यन गुप्ता को नगर खेलो भारत संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। कृष्णाकांत को नगर सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया। इसके अलावा अभी पटेल, रुपेश तिवारी, शुभ अग्रवाल, रऊफ और आदित्य दीक्षित को नगर कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थी परिषद छात्रहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए युवाओं और विद्यार्थियों को संगठन से जोड़ने का कार्य करेगी। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम, साइबर बुलिंग एवं साइबर ग्रीमिंग के प्रति किया जागरूक

(यंग भारत न्यूज)



उरई। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत दिनांक 03.10.2026 को राजकीय इंटर कॉलेज उरई, जनपद जालौन में साइबर सेल पुलिस कार्यालय में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम, साइबर बुलिंग एवं साइबर ग्रीमिंग साइबर जागरूकता एवं महिला सम्बन्धित अपराध के बारे में जागरूक किया गया।

इस दौरान स्कूल के बच्चों और टीचर और विद्यालय स्टाफ को ऑनलाइन लेन-देन में सावधानी बरतने, OTP/UPI/PIN किसी से साझा न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा सोशल मीडिया पर अजनबियों से सावधानीपूर्वक व्यवहार करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही डिजिटल अरेस्ट स्कैम, साइबर बुलिंग एवं साइबर ग्रीमिंग से बचाव तथा ऐसी घटना होने पर तत्काल पुलिस/साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं cybercrime.gov.in पर शिकायत करने की जानकारी दी गई।

सिरफिरे दबंग ने कर दिया पुलिया को बंद, प्रधान के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)



माधौगढ़ (जालौन): तहसील माधौगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत गोराभूपका में दबंगई के चलते पुलिया बंद कर दिए जाने से पूरा गांव जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। जल निकासी पूरी तरह बाधित होने के कारण गांव की गलियों और मोहल्लों में गंदा पानी भरा हुआ है। इस समस्या को लेकर ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र कुमार ने ग्रामीणों के साथ मिलकर तहसील समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र कुमार का कहना है कि गांव में बनी पुलिया से पानी की निकासी होती थी, लेकिन एक दबंग व्यक्ति ने मनमाने ढंग से पुलिया को बंद कर दिया है। इससे गांव का सारा पानी जमा होकर सड़कों पर फैल रहा है। जब भी ग्राम प्रधान या ग्रामीणों ने पुलिया खोलने की बात कही, तो संबंधित दबंग व्यक्ति विवाद करने और लड़ने-झगड़ने पर आमदा हो जाता है। पुलिया बंद होने की वजह से गांव में लंबे समय से पानी भरा रहने के कारण मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है। दूषित वातावरण और मच्छरों के पनपने से गांव में बीमारियां फैलने का खतरा बन गया है। छोटे-छोटे बच्चे संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को आए दिन अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी की व्यवस्था शुरू नहीं कराई गई, तो स्थिति महामारी जैसी रूप ले सकती है। समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र सौंपते हुए ग्राम प्रधान और मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से दबंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा तत्काल प्रभाव से बंद पुलिया को खुलवाकर जल निकासी बहाल कराने की मांग की है।

समस्याओं के समाधान में कोताही न होगी क्षम्य -एसडीएम

-सम्पूर्ण समाधान दिवस में 22 आई निस्तारण हुआ शून्य

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन) सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन अपरजिलाधिकारी राजस्व एवं वित्त राजीव राज की अध्यक्षता में किया गया अम्बरीष रामपुरा ने बताया कि साहब मेरे घर की रसीद को फर्जी बताकर गुमराह किया जा रहा है न्याय की गुहार लगाई है राजेश कुमार बहादुर पुर ने जलसंस्थान पर गलत विल देने का आरोप जडा है विक्रम रामपुरा ने बताया कि साहब मेरी मां का निधन हो गया है नगर पंचायत मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं कर रही है कस्तूरी माधौगढ़ ने आवास की मांग की है सुमित तिवारी माधौगढ़ ने खतौनी में नाम संशोधन की बात कही है वीरवती हमीरपुरा ने बालिंग दर्ज कराने की गुहार लगाई है रामप्रसाद लिडऊपुर ने अंश जगत होने की बात रखी है भगवानदास बावली ने अवैध निर्माण कार्य रुकवाने की बात उठाई है हरिओम बंगरा ने नाली चक्रमार्ग पर कब्जा हटवाने का मामला दर्ज करवाया है शिवराज सिंह महाराजपुरा ने आरोप जडा कि कुरा होने के बाद पत्थर गड्ढी नहीं हो रही है श्यामलता रेंडर ने भूमि पर अवैध कब्जा



करने का आरोप लगाया है राम सिंह सिंगटौली ने विद्युत करंट लगने पर जांच न होने पर नाराजगी जाहिर की है लालसिंह परधानी ने नाली और पुलिया निर्माण कार्य करवाकर जल निकासी कराने की बात रखी है सोनू प्रजापति गलत होने की बात रखी है भगवानदास उसका आवास कटवा दिया गया है। जगमोहन बहराई ने सचिव और प्रधान पर आरोप जडा कि वह आवास बनने के बाद मजदूरी की धनराशि, नहीं दे रहे है चक्कर कटवा रहे है कुल मिलाकर बाईस शिकायतें दर्ज कराई गईं। निस्तारण न होने से फरियादियों में मायूसी छाई रही

एडीएम ने सभी अधीनस्थों को निर्देशित किया है कि समस्याओं के निस्तारण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त न होगी समयानुसार गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण हो साथ ही शिकायत कर्ता के सामने निस्तारण संतुष्टिपूर्ण हो इस मौके पर संदीप मिश्रा खंड विकास अधिकारी माधौगढ़ प्रशांत यादव खंड विकास अधिकारी रामपुरा नरेश पाल सिंह खंड विकास अधिकारी नदीगांव शैलेन्द्र कुमार उत्तम खंड शिक्षा अधिकारी रामपुरा भारत सिंह सहायक विकास अधिकारी समेत अन्य विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही है।

बिजदुआ में विकसित भारत अभियान के तहत बैठक आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। विकासखंड माधौगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत बिजदुआ में 2 अक्टूबर को विकसित भारत अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्रामीणों को बीबीजी रामजी योजना एवं जीटीपी से संबंधित विभिन्न जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि योजना के तहत पहले श्रमिकों को 100 दिन तक रोजगार उपलब्ध कराया जाता था और प्रतिदिन 252 रुपये की मजदूरी मिलती थी। अब योजना में 125 दिन तक रोजगार उपलब्ध कराने तथा 300 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी दिए जाने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही योजना से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त की और रोजगार एवं मजदूरी से जुड़े विषयों पर चर्चा की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ लेने तथा आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी रखने की अपील की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान कमलेश राठौर, सचिव शिवसागर अवस्थी, रोजगार सेवक अनिल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।



लेखपालों ने अपनी मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन):तहसील माधौगढ़ परिसर में आज लेखपालों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उग्र विरोध प्रदर्शन किया और कामकाज का पूर्ण बहिष्कार करते हुए उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। तहसील परिसर में एकत्रित हुए लेखपालों ने शासन व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी समस्याओं के निस्तारण की मांग की। लेखपालों का कहना है कि वे कई महीनों से निरंतर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद भी उच्च अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। प्रदर्शनकारी लेखपालों ने कार्यभार के अत्यधिक दबाव को मुद्दा बनाते हुए कहा कि एक ही कानूनगो या लेखपाल से क्षेत्र का काम भी कराया जा रहा है और तहसील का प्रशासनिक काम भी लिया जा रहा है। सवाल उठते हुए उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति आखिर कितना काम कर सकता है। लेखपाल संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे बीते कई वर्षों में कई बार इस संबंध में ज्ञापन दे चुके हैं और सांकेतिक बहिष्कार भी कर चुके हैं, लेकिन हर बार अधिकारियों ने केवल आश्वासन दिया और कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई। प्रशासनिक रवैये से नाराज लेखपालों ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए नारा लगाया— ‘अभी तो यह अंगड़ाई है, आगे बहुत लड़ाई है।’ लेखपालों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों को मान नहीं लिया जाता और कार्य का अतिरिक्त बोझ कम नहीं किया जाता, तब तक उनका यह धरना प्रदर्शन और कार्य बहिष्कार अनिश्चितकालीन रूप से जारी रहेगा। इस विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान तहसील माधौगढ़ के समस्त लेखपाल, संघ के पदाधिकारी और प्रतिनिधि मौके पर उपस्थित रहे। कार्य बहिष्कार के कारण तहसील आने वाले आम नागरिकों और किसानों को अपने राजस्व संबंधी कार्यों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।



उरई के अमृत पार्क के पास युवती से छेड़छाड़ का आरोप, भाग रहे स्कूटी सवार तीन युवकों को लोगों ने पकड़कर पीटा, वीडियो वायरल

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उरई शहर कोतवाली क्षेत्र में बेसिक शिक्षा कार्यालय के पास अमृत पार्क के समीप शुक्रवार शाम युवती से कथित रूप से छोटकशी करने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि स्कूटी सवार तीन युवक युवती से अभद्रता करने के बाद वहां से भागने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया और पिटाई कर दी। घटना का वीडियो शुक्रवार रात करीब 9 बजे सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। बताया जा रहा है कि अमृत पार्क के आसपास मौजूद लोगों ने युवकों को युवती से कथित तौर पर अभद्रता करते देखा। इसके बाद युवक स्कूटी से वहां से निकलने लगे। स्थानीय लोगों ने पीछा कर उन्हें रोक लिया। आरोप है कि युवकों को स्कूटी से नीचे गिराकर लात-धूसों से पीटा गया। इस दौरान मौके पर कुछ देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने युवकों की पिटाई का वीडियो बना लिया। शुक्रवार शाम यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद अमृत पार्क और आसपास के क्षेत्र में महिलाओं एवं युवतियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस की निगरानी और गश्त प्रभावी होना जरूरी है। घटना के बाद पुलिस की एंटी रोमियो टीम की सक्रियता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो में दिखाई दे रही घटना को लेकर पुलिस की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पुलिस की ओर से वीडियो की जांच और घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट किए जाने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी।



समान कार्य-समान वेतन की मांग को लेकर एएनएम कार्यकर्तियों का सीएमओ कार्यालय के बाहर हल्ला-बोल, 12 घंटे काम और मानदेय सिर्फ, 10 हजार

(यंग भारत न्यूज)



उरई। एएनएम कार्यकर्तियों ने शनिवार दोपहर 3 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। कार्यकर्तियों ने समान कार्य के लिए समान वेतन समेत विभिन्न मांगें उठाईं। साथ ही विभाग पर उनकी समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

एएनएम कार्यकर्तियों ने कहा कि वे रोज करीब 12 घंटे तक काम करती हैं। सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को लागू कराने और विभिन्न लक्ष्य पूरे कराने की जिम्मेदारी भी सिविदा एएनएम पर रहती है। उनका आरोप है कि कई बार देर रात तक स्क्रीनिंग और अन्य स्वास्थ्य संबंधी काम करने पड़ते हैं। इसके बावजूद उन्हें करीब 10 हजार रुपये का मानदेय मिलता है। एएनएम एकता पटेल ने कहा कि सिविदा और नियमित एएनएम से लगभग समान काम लिया जाता है। ऐसे में वेतन में इतना अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिविदा एएनएम पर लगातार काम का दबाव रहता है। सरकारी योजनाओं में लक्ष्य देकर जिम्मेदारियां भी सौंपी जाती हैं। रामपुरा ब्लॉक से आई एएनएम प्रीति यादव ने बताया कि कई बार कार्यक्षेत्र तक पहुंचने के लिए नदी पार करनी पड़ती है। बाढ़ के दौरान भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए कठिन परिस्थितियों में क्षेत्र में पहुंचकर काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। प्रदर्शनकारी एएनएम कार्यकर्तियों ने समान कार्य के लिए समान वेतन को अपनी प्रमुख मांग बताया। उन्होंने कहा कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय होने तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्तियों ने ‘एएनएम स्वास्थ्य कर्मी एकता जिंदाबाद’ और ‘समान कार्य समान वेतन’ के नारे लगाए।

जेसीबी से सड़क काटकर खेत में पानी पहुंचाने का आरोप

-तिल की फसल बर्बाद,उच्चाधिकारियों से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)
कोंच तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में ग्राम खकसीस निवासी किसान जय सिंह गुर्जर पुत्र महेंद्र सिंह ने एसडीएम अभिनव कुमार को शिकायती पत्र देकर खेत में जलभराव से तिल की फसल बर्बाद होने की शिकायत की। किसान ने एक ग्रामीण पर जेसीबी से सार्वजनिक सड़क काटकर उसके खेत की ओर पानी का बहाव करने का आरोप लगाया है। मामले में किसान ने सड़क को बंद कराकर खेत को जलभराव से बचाने की गुहार लगाई है।
शिकायती पत्र में जय सिंह गुर्जर ने बताया कि ग्राम खकसीस के कल्यानपुरा मौजे में खसरा संख्या 68 में उसकी करीब पांच एकड़ कृषि भूमि है। किसान के



अनुसार उसने खेत में तिल की फसल बोई थी, जो तैयार हो चुकी थी। आरोप है कि गांव के ही रमेश कुमार पारासर ने 12 सितंबर 2026 की रात जेसीबी मशीन से सार्वजनिक सड़क को काटकर अपने खेत की ओर से पानी का रास्ता बना दिया। इससे पानी किसान के खेत में पहुंच

गया और तैयार तिल की फसल जलभराव की चपेट में आकर खराब हो गई। किसान ने आरोप लगाया कि सड़क काटे जाने से सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा है। उसका कहना है कि फसल को बचाने के लिए उसने 28 और 29 सितंबर को एसडीएम कोंच को

प्रार्थना पत्र देकर सड़क बंद कराने तथा पानी का बहाव रोकने की मांग की थी। इसके बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। शिकायत में किसान ने खकसीस के लेखपाल दिग्विजय सिंह पर भी आरोप लगाया है कि सरकारी गूल में पानी का रिसाव रोकने के बजाय दोबारा उसके खेत की ओर पानी छोड़ दिया गया। किसान ने आरोप लगाया कि इसके चलते खेत में पानी भरने से उसकी पूरी तिल की फसल नष्ट हो गई। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। जय सिंह के मुताबिक फसल की अनुमानित लागत करीब दो लाख रुपये थी। खेत में पानी भरा होने के कारण वह अगली फसल की बुआई भी नहीं कर पा रहा है। किसान ने एसडीएम से मौके की जांच कराकर सरकारी सड़क को बंद कराने, पानी का बहाव रोकने और खेत को सुरक्षित कराने की मांग की है, ताकि वह आगामी फसल की बुआई कर सके।

लेखपालों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। आठ सूत्रीय मांगों को लेकर तहसील क्षेत्र के लेखपाल शनिवार को तहसील परिसर में धरने पर रहे और संपूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार किया। संपूर्ण समाधान दिवस के बाद लेखपालों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा है। शनिवार को तहसील परिसर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस का लेखपालों ने बहिष्कार किया। लेखपाल तहसील परिसर में ही धरने पर बैठे थे। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष वैभव त्रिपाठी ने बताया कि लेखपालों की समस्याओं के निराकरण के लिए लंबे समय से आठ सूत्रीय मांग की जा रही है। जिनमें लेखपाल संपर्ग की 10 वर्षों से 2800 ग्रेड पे की मांग व वेतन विसंगति दूर किए जाने की मांग लंबित है। आठ वर्षों से अंतर्मण्डलीय स्थानांतरण न होने से अपने गृह जनपद से 700 से 800 किमी दूर लेखपालों को मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है। ऐसे लेखपालों को अपने गृहमंडल में स्थानांतरित किया जाए। चयन वर्ष 2024 के नियुक्त लेखपालों की प्रशिक्षण परीक्षा 13 सितंबर 2025 को हो चुकी है। लेकिन अभी तक परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किया गया है। लेखपालों के 16 वर्षों से भत्तों में वृद्धि नहीं की गई है। भूलेख कार्यालयों और पटलों पर लेखपालों को संबद्ध कर नियमित कार्य लिया जा रहा है। जिससे राजस्व के मूल कार्य प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम सचिवालयों में लेखपालों के लिए अलग कक्ष, फर्नीचर, अभिलेख कक्ष, कम्प्यूटर, बिजली, पेयजल जैसी आवश्यक सुविधाएं न होने के बाद भी लेखपालों का रोस्टर लगाया गया है। जबकि एक लेखपाल के पास से चार से पांच गांव हैं। ऐसे में एक दिन में तीन चार गांवों में जाना संभव नहीं हो पाता है। लेखपाल कई वर्षों से टेक्नीकल और ऑनलाइन कार्य कर रहे हैं। इसके बाद भी पद को टेक्नीकल घोषित नहीं किया गया है। उन्हें लैपटॉप व मोबाइल उपलब्ध कराया जाए। लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबंधित मांगपत्र एसडीएम को सौंपा है। इस मौके पर मंत्री हरेंद्र वर्मा, अनिल कुमार, विवेक कुमार, महेंद्र कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, आर्यन त्रिपाठी, ऋतु यादव, सिकी, प्रीति वर्मा, प्रज्ञा मिश्र, लवी गुप्ता, पूजा राजपूत, सुधा अग्रवाल, रंजना सिंह, अंशुल शर्मा, मयंक यादव, प्रिया अवस्थी, विक्रान्त आदि रहे।



तहसील परिसर में धरने पर बैठे लेखपाल, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)
कोंच उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन और राजस्व परिषद के प्रति नाराजगी जताते हुए चरणबद्ध आंदोलन के बाद 17 अक्टूबर 2026 से प्रदेशव्यापी संपूर्ण कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी है। तहसील परिसर में संघ की कोंच तहसील इकाई ने शनिवार दोपहर 12 बजे कार्य बहिष्कार कर एक दिवसीय धरना दिया। वही लेखपालों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम अभिनव कुमार को सौंपकर 8 सूत्रीय मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि लेखपाल राजस्व प्रशासन की आधारशिला हैं और उन पर राजस्व अभिलेखों के रखखाव, वरासत, नामांतरण, पैमाइश, ई-गवर्नेंस, आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद उन्हें बढ़ते कार्यभार, संसाधनों की कमी और लंबित सेवा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संघ की प्रमुख मांगों में लेखपालों का प्रारंभिक वेतनमान 2800 ग्रेड पे किए जाने, वेतन विसंगति दूर करने, आठ वर्षों से लंबित अंतर्मंडलीय स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने तथा चयन वर्ष 2025-26 की पदोन्नति सूची तत्काल जारी करने की मांग शामिल है। इसके अलावा नव नियुक्त लेखपालों की विभागीय परीक्षा का परिणाम घोषित कर स्थायीकरण करने की भी मांग उठाई गई है। ज्ञापन में स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 500 रुपये, मोटरसाइकिल अथवा वाहन भत्ता 1500 रुपये प्रतिमाह और विशेष भत्ता 100 से बढ़ाकर 1000 रुपये करने की मांग की गई है। साथ ही पटल सहायक एवं प्रभारी राजस्व निरीक्षक के कार्यों में संबद्ध लेखपालों को अवमुक्त करने तथा ग्राम सचिवालयों में बैठने से पहले आवश्यक सुविधाएं और सुरक्षा उपलब्ध कराने की



बात कही गई है। संघ ने लेखपाल पद को तकनीकी घोषित कर लैपटॉप एवं मोबाइल उपलब्ध कराने की भी मांग रखी है। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं होने पर 17 अक्टूबर से कार्य बहिष्कार किया जाएगा। और आंदोलन की भी चेतावनी दी है। इससे राजस्व एवं प्रशासनिक कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। इस मौके पर लेखपाल दिग्विजय, अखिलेश कुशवाहा, आशीष दीक्षित, पद्मजा, हेमलता, धीरज, शुभचिन्तक, प्यूस, मौसम सिंह, सीमा निषाद, चंदन सिंह सहित समस्त लेखपाल मौजूद रहे

डीएम ने स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। जिलाधिकारी समीर ने संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील परिसर में सीएचसी द्वारा लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में आए हुए मरीजों और उनकी जांचों से संबंधित जानकारी ली। डॉ. सहन बिहारी गुप्ता व काउंसलर प्रीति ने बताया कि शिविर में 45 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिनकी शुगर, बीपी, हाईपरटेंशन आदि की जांच की गई। जांच के बाद उन्हें दवा वितरत की गई और आवश्यक सलाह दी गई।



श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन भव्य कलश व शोभायात्रा निकाली गई

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। मोहल्ला चौधरयाना में गुप्ता भवन पर साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसके पहले दिन नगर के विभिन्न मार्गों से होकर भव्य कलश व शोभायात्रा निकाली गई। जगह जगह पुष्पवर्षा कर लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। मोहल्ला चौधरयाना में गुप्ता भवन पर आयोजित साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पहले दिन शोभायात्रा के लिए भक्त द्वारिकाधीश मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। जहां कथाव्यास डॉ. पंडित शिव संपत द्विवेदी रथ पर विराजमान हुए। महिलाओं ने सिरों पर कलश रखे। पारिक्षित किरन गुप्ता अपने सिर पर भागवत पुराण धारण किए थे। दोपहर करीब दो बजे कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। कलश यात्रा झंडा चौराहा, पानी की टंकी, कांजी हाउस, कोतवाली रोड काली माता मंदिर से होकर कथा स्थल पर पहुंची। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर श्रद्धालु नाचते गाते हुए आगे बढ़ रहे थे। वहीं, कलश यात्रा में भगवान शिव व हनुमान की झांकी आकर्षण में रही। कलश यात्रा का नगर में जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कथा स्थल पर पहुंचने पर कथा व्यास ने कहा कि भागवत कथा श्रवण करने मात्र से मनुष्य का कल्याण हो जाता है। इस मौके पर अभिषेक माहेश्वरी, पुनीत मित्तल, शिवपाल यादव, रामवीर यादव, एंके त्रिवेदी, मनीष सोनी, आशीष सोनी, निखिल सिंधी, पवन धूसर, विवेक सोनी, विपुल गुप्ता, विपुल दीक्षित आदि रहे।

जीबी हास्पिटल से चोर बाइक लेकर हुए रफूचककर घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद



(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला जवाहर नगर स्थित जीबी हॉस्पिटल के सामने खड़ी एक अपाचे बाइक चोरी हो गई। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। बाइक चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू की। वही बाइक चोरी की लाइव वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए चोर की तलाश में जुटी है। ज्ञानकारी के अनुसार भास्कर रेजा पुत्र महेश रेजा जीबी हॉस्पिटल में संचालित मेडिकल स्टोर पर कार्यरत हैं। शुक्रवार को वह रोजाना की तरह दोपहर करीब तीन बजे अपनी ड्यूटी पर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी अपाचे बाइक हॉस्पिटल के बाहर खड़ी की और काम करने के लिए अंदर चले गए। रात करीब 8 बजे ड्यूटी समाप्त होने के बाद जब वह बाहर आए तो उनकी बाइक गायब थी। काफी देर तक आसपास तलाश करने के बावजूद बाइक का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर सागर चौकी प्रभारी सुमिंद्र पांडे अपने हमराही सिपाही अभिषेक भदौरिया के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए बाइक चोरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

सड़क किनारे जख्मी हालत में मिले पंचायत मित्र, मेडिकल कॉलेज रेफर

(यंग भारत न्यूज)
कोंच सड़क किनारे एक युवक जखमी हालत में पड़ा मिला। राहगीरों ने उसे देखकर तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार ग्राम कटकरी बुजुर्ग निवासी सत्येंद्र कुमार उम्र 33 वर्ष पुत्र स्वर्गीय कल्याण सिंह पंचायत मित्र के पद पर तैनात हैं। बताया गया कि शनिवार को वह किसी कार्य से कोंच तहसील आए थे। दोपहर में तहसील से अपना काम निपटाने के बाद वह वापस अपने गांव कटकरी बुजुर्ग जा रहे थे। इसी दौरान जरा की पुलिस के पास राहगीरों ने सत्येंद्र कुमार को सड़क किनारे जखमी हालत में पड़ा देखा। युवक को घायल अवस्था में देखकर राहगीरों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची एंबुलेंस से घायल सत्येंद्र कुमार को सीएचसी कोंच लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार किया। सीएचसी में डॉ. गौरव ने घायल का प्राथमिक उपचार किया। गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। राहगीरों के मुताबिक सत्येंद्र कुमार किस तरह घायल हुए, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका जताई जा रही है कि संभवतः किसी वाहन की टक्कर लगने से वह घायल हुए हों या फिर बाइक से अनियंत्रित होकर गिर गए हों। घटना की सही वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल घायल को मेडिकल कॉलेज उरई में उपचार के लिए भेजा गया है।



सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई 17 शिकायतें 5 का हुआ मौके पर निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)
कोंच संपूर्ण समाधान दिवस में 17 शिकायतें दर्ज कराई गईं जिनमें से मौके पर 5 शिकायतें निस्तारित कर दी गईं। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए एसडीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। एसडीएम अभिनव कुमार की अध्यक्षता एवं सीओ परमेश्वर प्रसाद व तहसीलदार की उपस्थिति में आयोजित किए गए समाधान दिवस में ग्राम खकसीस निवासी जयसिंह गुर्जर ने शिकायती पत्र देकर गांव के ही एक व्यक्ति पर लेखपाल की मदद से जेसीबी से पक्की सड़क काटकर अपने खेत का पानी उसके खेत में छोड़कर उसकी तिल की फसल नष्ट करने का आरोप लगाते हुए कार्यवाही की मांग की है। ग्राम किशुनपुरा प्रधान विनोद निरंजन की अगुवाई में दर्जनों ग्रामीणों ने एक ग्रामीण पर पक्की पुलिया बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिया बंद किए जाने से खेतों का पानी आगे नहीं निकल पा रहा है और खेतों में फसल बोवाई का समय नजदीक आने वाला है, उक्त किसानों ने मामले में कार्यवाही की मांग की है। ग्राम छोटी दोहर के तमाम ग्रामीणों ने इंटरलॉकिंग युक्त आम रास्ते पर बारिश के पानी का बहाव होने से आवागमन में उत्पन्न हो रही समस्या एसडीएम को बताई, उक्त ग्रामीणों ने पानी की निकासी कराए जाने की मांग की है। एसडीएम ने मामले में सामने आई सभी शिकायतों को मौके पर जाकर गुणवत्ता के साथ शीघ्र ही निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए।



सर्राफा कमेटी का सर्व सम्मति से चुनाव सम्पन्न शैलेष अध्यक्ष, सचिन उपाध्यक्ष बने

(यंग भारत न्यूज)
कोंच लंबे समय से प्रतीक्षारत सर्राफा कमेटी का चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हो गया। नज़ाई स्थित हनुमान मंदिर पर लल्ला भईया की अध्यक्षता में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। सर्वप्रथम अनिल कपूर को आमसहमति के बाद चुनाव अधिकारी चुना गया। उनकी देखरेख में चुनाव कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। बैठक में उपस्थित सभी साथियों ने कहा कि चुनाव आम सहमति से कराया जाए जिसका सभी ने करतल ध्वनि से स्वागत कर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष सहित संरक्षक मंडल के सदस्य के नाम रखे। सभी पदों पर सहमति बनती गयी और पूरी चुनाव प्रक्रिया स्वसम्मति से सम्पन्न हुई। सात सदस्यीय संरक्षक मंडल में अनिल कपूर, शशिकांत सोनी, विनोद घुग्रा, अरविंद सर्राफ, डॉ. प्रदीप, हरि प्रकाश सोनी को चुना गया। अध्यक्ष पद के लिए शैलेष सोनी का नाम का प्रस्ताव संजय वकील ने रखा जिस पर उपस्थित सभी ने उनके नाम पर सहमति जताई तथा अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। वही उपाध्यक्ष पद पर सचिन सोनी, मंत्री पद पर पवन, तथा कोषाध्यक्ष पद की कमान अभय सर्राफ के मजबूत कंधों पर सौंपी गयी। नव मनोनीत पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। बैठक में केशरीमल तरसीलिया, नेमी अग्रवाल, जग्गी सर्राफ, केके सोनी, संजय वकील, चंद सोनी, संजीव सोनी, दिनेश सोनी, संजीव सोनी, संदीप चौपड़ा, सूरज बंगाली, संतोष माली, रामविहारी धनौरा, रूपेश सोनी, दीपक डाई, राजदीप सोनी, प्रवीण खूजा, राकेश कुमार, गणेश सोनी, पंकज, श्याम जी आदि सर्राफा व्यापारी मौजूद रहे।



सड़क के गड्ढे में पहिया फसने से गिट्टी भरा ट्रक पलटा चालक सुरक्षित



(यंग भारत न्यूज)
कोंच स्टेशन रोड पर कंजड़ बाबा के पास शनिवार सुबह गिट्टी से लदा ट्रक अचानक सड़क में धंसने के बाद पलट गया। हादसे में ट्रक चालक बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ज्ञानकारी के अनुसार शनिवार सुबह एक ट्रक गिट्टी लादकर स्टेशन रोड की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक कंजड़ बाबा के पास पहुंचा, तभी उसके पिछले हिस्से के दाहिनी ओर के दोनों पहिए अचानक सड़क में धंस गए। पहिए धंसने से चालक ट्रक को संभाल नहीं सका और गिट्टी से लदा ट्रक सड़क पर पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में चालक को कोई चोट नहीं आई। ट्रक पलटने के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने मौके पर पहुंचकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। सड़क में भारी वाहन के पहिए धंसने और ट्रक पलटने की घटना से सड़क की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नगरवासियों का कहना है कि यदि सड़क का निर्माण मानकों के अनुरूप कराया गया होता तो भारी वाहन के गुजरने के दौरान इस तरह सड़क धंसने की स्थिति नहीं बनती। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क की स्थिति में जल्द सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

सद्विध परिस्थितियों में बरौदा कला में मिला अधेड़ का शव

(यंग भारत न्यूज)
कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम बरौदा कला में शनिवार सुबह सड़क किनारे एक अधेड़ का शव मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। शव गांव के बाहर रास्ते पर पड़ा मिला। सूचना पर कैलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना में मौत होने की आशंका जताई है। हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान द्वारा कैलिया पुलिस को सूचना मिली कि रामप्रकाश अहिंवार पुत्र स्वर्गीय भोपे उम्र करीब 60 वर्ष, का शव गांव बरौदा कला के बाहर एक रास्ते में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही कैलिया पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव के आसपास की स्थिति की जांच करने के साथ ही आवश्यक साक्ष्य जुटाए। मौके पर पहुंची फील्ड यूनिट ने भी साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया घटना सड़क दुर्घटना से संबंधित प्रतीत हो रही है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना में मौत होने की संभावना प्रतीत हो रही है। मृत्यु का सही कारण जानने के लिए शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतक के परिजनों में मातम का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।





महात्मा गांधी से दीनदयाल उपाध्याय तक भारत की यात्रा अंतिम व्यक्ति के कल्याण और अंत्योदय की यात्रा : प्रो. सुरेंद्र दुबे

-‘गांधी से दीनदयाल तक भारत : बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में ‘अंतिम आदमी से अंत्योदय’ पर हुआ मंथन ‘
-पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ एवं इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड अप्लाइड सोशल साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान आयोजित



झाँसी एवं सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर तथा उपाध्यक्ष, भारतीय हिंदी शिक्षण मंडल, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ने विषय पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। अपने संबोधन में प्रो. सुरेंद्र दुबे ने भारत की सांस्कृतिक एवं ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत को केवल एक भूखंड के रूप में नहीं, बल्कि ज्ञान, चेतना और मानवीय उपाध्याय व्याख्यानमाला के अंतर्गत ‘महात्मा गांधी से दीनदयाल उपाध्याय तक भारत : अंतिम आदमी से अंत्योदय तक की यात्रा’ विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सुरेंद्र दुबे, पूर्व कुलपति बुंदेलखंड विश्वविद्यालय,

कल्याण की चिंता महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने युवाओं से भारतीय इतिहास, संस्कृति, भाषाओं और कलाओं के प्रति गहरी समझ विकसित करने का आह्वान किया। प्रो. दुबे ने वर्तमान तकनीकी एवं शैक्षिक परिवेश की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में सूचनाओं की उपलब्धता बहुत तेजी से बढ़ी है। ऐसे समय में आवश्यकता केवल ज्ञान और विवेक में परिवर्तित करने की है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता और सांस्कृतिक चेतना का संतुलन भी

आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपनी भाषा को अपनी शक्ति बनाने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों में समझने का आग्रह किया। कार्यक्रम का स्वागत एवं संचालन प्रो. मुन्ना तिवारी, निदेशक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ ने किया। उन्होंने प्रो. सुरेंद्र दुबे के साथ अपने विद्यार्थी जीवन के संबंध को स्मरण करते हुए कहा कि वे स्वयं प्रो. दुबे के विद्यार्थी रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रो. दुबे ज्ञान के धनी हैं तथा उनका साहित्यिक योगदान भी उल्लेखनीय है। उनका एक नाटक बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए उनके व्याख्यान को विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अचला पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो. डी.के. भट्ट, डॉ श्रीहरि त्रिपाठी, डॉ नवीन चंद्र पटेल, डॉ श्वेता पाण्डेय, डॉ प्रेमलता, डॉ सुनीता, डॉ सुधा, डॉ आशीष दीक्षित, डॉ दिलीप, डॉ अजय गुप्ता, डॉ रिचा, डॉ गरिमा, डॉ कपिल, डॉ राघवेंद्र, डॉ आशुतोष, डॉ जोगिंदर, डॉ रेनु, डॉ युति मालिनी, अतीत विजय, विजया, आकांक्षा, गजेन्द्र विशाल, आदि उपस्थित रहे।

विजयदशमी पर्व की तैयारियों को लेकर क्राफ्ट मेला मैदान का स्थलीय निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 20 अक्टूबर 2026 को क्राफ्ट मेला मैदान में विजयदशमी पर्व का आयोजन किया जाना है। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं एवं आमजन के पहुंचने की संभावना को देखते हुए शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे नगर विधायक रवि शर्मा ने झाँसी विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम के अधिकारियों तथा कार्यक्रम आयोजकों के साथ क्राफ्ट मेला मैदान का स्थलीय निरीक्षण किया।



साथ ही मैदान में हुए गड्डों को भरवाकर उन्हें समतल कराने के भी निर्देश दिए,

ताकि विजयदशमी पर्व के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी

अधिशाली अभियंता एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे।

नाइटक्लब में महिला संग दरिंदगी: निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा, फिर पटककर घसीटा; हैवानियत का वीडियो वायरल



असम की राजधानी गुवाहाटी से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। शहर के खानापारा क्षेत्र में स्थित ‘द लोकल्स’ कैफे एंड लाउंज नाम के नाइटक्लब के भीतर गुरुवार देर रात एक महिला के साथ अमानवीय व्यवहार और मारपीट किये जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि क्लब के महिला और पुरुष बाउंसर्स ने मिलकर एक महिला को फर्श पर पटका, उसे निर्वस्त्र किया और उसके साथ भारी मारपीट की। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस घटना के वीडियो में महिला बिना कपड़ों के जमीन पर पड़ी हुई और दो अन्य महिलाओं द्वारा लात मारी जाती हुई दिख रही है। उनके साथ कुछ पुरुष भी दिखाई दे रहे हैं। एक और वीडियो में एक महिला उसे उठाने की कोशिश करती दिख रही है, तभी एक कार आकर उनके दृश्य को रोक देती है। वीडियो में कुछ पुरुष भी घटनास्थल पर मौजूद नजर आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता को क्लब की चौथी मंजिल से नीचे पार्किंग एरिया तक घसीटते हुए लाया गया। दूसरे वीडियो में एक महिला उसे उठाने की कोशिश करती दिखती है, जिसके बाद एक कार आकर खड़ी हो जाती है और उनका दृश्य ओझल हो जाता है। घटना का संज्ञान लेते हुए गुवाहाटी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, इस विवाद की मुख्य वजह क्या थी और मारपीट से पहले अंदर क्या घटनाक्रम हुआ था, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। इसके अलावा पीड़ित महिला की पहचान भी अब तक स्थापित नहीं हो पाई है। घटना की खबर सामने आने के बाद जब मीडियाकर्मी नाइटक्लब पहुंचे, तो वहां ताला लगा मिला और अंदर की बत्तियां बुझी हुई थीं। क्लब प्रबंधन का कोई भी व्यक्ति इस घटना पर बात करने सामने नहीं आया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और लेविश्यों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि क्लब के किसी व्यक्ति से पूछताछ की गई है या नहीं।

मंगल कलश यात्रा के साथ संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा महायज्ञ का शुभारंभ आज

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। पितृ पक्ष के अवसर पर एवं चारों धाम यात्रा सम्पन्न होने के शुभ अवसर पर संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन रविवार 04 अक्टूबर से ग्वालियर –कानपुर वाईपास हाईवे रोड स्थित सनफ्रान अशोक सिटी में किया जाएगा। पारिक्षत श्रीमति निशि- संजय चौरसिया ने बताया कि 04 अक्टूबर 2026 रविवार को दोपहर 03 बजे से मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी, इसके उपरांत प्रतिदिन श्री 1008 संकट मोचन सरकार पीठाधीश कथा व्यास ऋषिजी सरकार द्वारा संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा का बखान किया जाएगा। जिसके अंतर्गत 07 अक्टूबर को श्री कृष्ण जन्मोत्सव,08 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा,09 अक्टूबर को रुक्मणि विवाह,10 अक्टूबर को सुदामा चरित्र, प्रसाद वितरण एवं भण्डारे का आयोजन किया जाएगा।

जेल से छूटकर रेप पीड़िता की अश्लील तस्वीरें वायरल कीं थाने का इंस्पेक्टर बताकर दोस्ती की, फिर रेप कर वीडियो बना लिए थे

झाँसी। जनपद में रेप केस में जेल से छूटकर आए एक आरोपी ने पीड़िता की अश्लील तस्वीरें वायरल कर दीं। यही नहीं, वह पीड़िता के संबंध के परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहा था। उसने एक मैसेज किया- अब अपने दोनों बेटों को बचाकर रखना। इससे पीड़िता और उसका परिवार डर गया। उसने 10 दिन पहले पीड़िता को मिलने के लिए झांसी बुलाया। फोन पर बोला- तुम मेरे साथ रहो, नहीं तो सारी एडिट अश्लील फोटो वायरल कर दूंगा। बात नहीं मानने पर आरोपी ने रिश्तेदारों को अश्लील फोटो भेज दी। पीड़िता की मां की तहरीर पर नवाबाद पुलिस ने केस दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आगरा निवासी एक महिला ने पुलिस को बताया- उसकी बेटी की शादी फिरोजाबाद में हुई है। बेटी झांसी में ग्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। यहां जब वो बाजार में खाना खाने जाती थी, तब उसकी मुलाकात बाहर सैयर गेट मोहल्ला निवासी अशोक कुमार से हुई। उसने खुद को प्रेमनगर थाने का इंस्पेक्टर बताया। पुलिस की वदीं पहले हुए फोटो भी दिखाई। साथ ही नौकरी लगवाने का झांसा देकर बेटी को प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद नशीला पदार्थ पिलाकर रेप किया और वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी बेटी को ब्लैकमेल करने लगा। बात न मानने पर मारपीट करने लगा। अश्लील फोटो और वीडियो भी वायरल कर दिए। तब पीड़िता ने सितंबर 2022 में कोतवाली थाने में रेप का केस दर्ज कराया था। पुलिस ने अशोक कुमार को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। मां ने आगे बताया- अब आरोपी अशोक जेल से छूटकर बाहर गया। वह दोबारा से बेटी को अश्लील फोटो भेजने लगा। धमकी दे रहा है कि बेटी और उसके पूरे परिवार को जान से मार देगा। वह परिवार की अन्य महिलाओं के साथ फोटो एडिट करके वाट्सएप पर लगातार भेज रहा है। इससे परिवार सदमे में हैं। आरोपी ने 22 सितंबर 2026 को बेटी को बात करने के लिए झांसी बुलाया। तब बेटी को लेकर झांसी आ गई। तब वह रेलवे स्टेशन, इलाइट चौराहा और कचहरी चौराहा पर दिखाई दिया।

गांधी की जयंती मनाई

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। आज कचहरी चौराहा स्थित गांधी उद्यान मे देश को आजाद कराने के साथ साथ मानवीय मूल्यों से विश्व को अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंति के उपलक्ष्य पर उन्हे कोटि कोटि नमन करते हुए उनकी मूर्ति पर पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री प्रदीप जैन आदित्य,कांग्रेस पार्टी के बरिष्ठ नेता,पीसीसी सदस्य राजेन्द्र सिंह यादव,पूर्व प्रवक्ता बुंदेलखंड क्षेत्र कांग्रेस पार्टी राजेन्द्र शर्मा एडवोकेट ट, जिलाध्यक्ष देशराज रिछारिया,शहर अध्यक्ष मनोज त्रिवेदी,अवधेश तिवारी,सुनील राष्ट्रसेवा के उनके आर्दशौ पर चलने की गुप्ता,अखिलेश गुरुदेव,कमल अहिरवार,राजेश रानी ने माल्यार्पण करके जैन,लोकेन्द्र सिंह यादव,सोम उनके सत्य, अहिंसा,सादगी और



आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के शत-प्रतिशत निस्तारण में परिक्षेत्रों की रैंकिंग में झांसी रैंज ने लगातार 09वीं बार प्राप्त किया प्रथम स्थान ‘रेंज के जनपद प्रभारी प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण / समयबद्ध कराएं विधिक निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)
झाँसी। मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) में माह सितम्बर,2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट प्राप्त होने पर श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक झांसी परिक्षेत्र, झांसी श्री आकाश कुलहरि महोदय के कुशल निर्देशन में आईजीआरएस / समाधान पोर्टल पर माह सितम्बर, 2026 में जो शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये उनका शासन की मंशानुरूप नियत समय में विधिक निस्तारण किया गया जिससे (आईजीआरएस) पोर्टल पर प्राप्त होने वाली माह-सितम्बर 2026 मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के परिक्षेत्रों की रैंकिंग में झांसी परिक्षेत्र ने वर्ष 2026 में लगातार 09वीं बार प्रथम रैंक प्राप्त की है साथ ही रेंज के जनपद जालौन ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया है जिसकी आईजी महोदय द्वारा सराहना कर उत्साहवर्धन किया गया। आई.जी. महोदय द्वारा प्रभारी आई.जी.आर.एस./ सीसीटीएनएस उ0नि0 श्री राजेश सिंह, रेंज कोर्डिनेटर श्री विमल कुमार श्रीवास्तव, मु0आ0 श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्रीमती प्रियंका गुप्ता कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए को उत्साहवर्धन हेतु नुकद पुरुष्कार से पुरुष्कृत किया गया है। महोदय द्वारा परिक्षेत्र के जनपद प्रभारियों को (आईजीआरएस) प्रणाली से प्राप्त शिकायतों का उच्चकोटि की गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने एवं जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर शासन के मंशानुरूप पूर्ण मनोयोग से उनकी समस्याओं के विधिक निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया है जिससे आमजनमानस में पुलिस की उत्कृष्ट छवि, निष्पक्ष कार्यप्रणाली एवं विश्वसनीयता की भावना बरकरार रहे एवं शिकायतों में निरन्तर कमी हो।



नामांकन करने पहुंचे सपा प्रत्याशी डॉ. मानसिंह यादव एमएलसी चुनाव में बोले-शिक्षा सेवा आयोग की चेयरमैन का इस्तीफा है भाजपा की उपलब्धि

झाँसी। जनपद में शनिवार को इलाहाबाद-झांसी स्नातक शिक्षक विधायक के चुनाव में नामांकन दाखिल करने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. मानसिंह यादव अपने समर्थकों संग कमिश्नरी कार्यालय पहुंचे। यहां से अपने प्रस्तावकों संग रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद सपा प्रत्याशी ने मीडिया से बात करते हुए भाजपा सरकार की नीतियों पर भी निशाना साधा। बोले, राज्य शिक्षा सेवा आयोग की अध्यक्ष बैठे-बैठे थक गई और इस्तीफा देकर चली गई, ये भाजपा की उपलब्धि है।



सैंकड़ों कारों के काफिले के साथ ढोल-नगाड़ों संग लगभग 3 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए सपा प्रत्याशी डॉ. मानसिंह बीकेडी चौराहा पहुंचे। यहां पुलिस ने बीकेडी कॉलेज में उनकी गाड़ियों के काफिले के लिए पार्किंग बनाई थी। यहां से आगे जाने के लिए निर्वाचन अधिकारी ने केवल तीन गाड़ियों को पास जारी किए थे, जिनमें प्रत्याशी और उनके प्रस्तावकों को पांच सी मीटर आगे कमिश्नरी कार्यालय नामांकन के लिए भेजा गया। सपा प्रत्याशी और एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव अपने 20 प्रस्तावकों के साथ कमिश्नरी कार्यालय पहुंचे। उनके साथ प्रस्तावक के रूप में शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष एसपी सिंह, पूर्व विधायक सत्यवीर मुन्ना, रईस अहमद, ननकेश बाबु, गोविंद प्रसाद, रुपनाथ यादव, उत्तम सिंह, उदयराज यादव, श्रीकांत यादव, शुभाच यादव, छोटे लाल, अजीत सिंह कौशांबी, राकेश कुमार, अजायब सिंह, अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू, झांसी जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह भोजला, दिलीप कुमार यादव, संजय कुमार पाल, धीरेंद्र कुमार यादव और उमेश कुमार यादव साथ रहे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सपा प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद मीडिया से बात करते हुए डॉक्टर मानसिंह यादव ने कहा कि 69 हजार शिक्षक लाठी खा रहे हैं। उन्हें रोजगार देने का काम सपा सरकार करेगी। जो 1.76 लाख शिक्षा मित्र आत्महत्या कर रहे हैं उन्हें समान कार्य का समान वेतन दिया जाएगा। कहा वित्तविहीन शिक्षकों के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार ने अखिलेश यादव ने जो दो सौ करोड़ दिया था उसे भी इस भाजपा सरकार ने समाप्त कर दिया है, लेकिन हमारी सरकार बनने पर वित्तविहीन शिक्षकों की सेवा पुनर्स्थापित बनाई जाएगी और उन्हें सम्मानजनक मानदेय दिया जाएगा। बोले पुरानी पेंशन बहाल करने का काम सपा सरकार में होगा और ये 2022 के घोषणा पत्र में शामिल है, जिसे 2027 में भी शामिल किया जाएगा। सपा प्रत्याशी मानसिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने पेपर लीक का रिकॉर्ड बना दिया है। जब सीबीआई अपराधियों को पकड़ कर दे देती है तो कहते हैं कि इसके खिलाफ साक्ष्य नहीं मिल रहा है। ये युवाओं और जेन जी के साथ भारतीय जनता पार्टी भद्दा मजाक किया जा रहा है, ये बंद होगा।बोले बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध करने और परीक्षा का कैलेंडर जारी करेंगे। कहा कि कोई भी परीक्षा का पेपर लीक नहीं होगा। डॉक्टर मानसिंह यादव ने कहा कि हमारा पूरा ध्यान मुद्दों पर है। ग्राम रोजगार सेवक, अनुदेशक और वकीलों के लिए अखिलेश यादव कह चुके हैं कि सरकार बनने पर एडवोकेट प्रोटेक्शन लॉ लागू। बोले आप लोग मुद्दों को पकड़ कर रखिएगा क्योंकि भाजपा को दाएं बाएं से निकलने और मुद्दों से भटकाने में बहुत मजा आता है। भाजपा ने पेपर आउट होने का रिकॉर्ड बना दिया है। लेकिन हम इन्हीं मुद्दों में चुनाव लड़ेंगे। बोले आजतक एमएलसी स्नातक ने इतना सवाल नहीं उठाया जितना डॉक्टर मानसिंह यादव ने उठाया। कहा कि मैंने अपनी निधि से जरूरतमंदों की मदद में कोई कमी नहीं छोड़ी। एक सवाल के जवाब में सपा प्रत्याशी मानसिंह यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि नौकरी गिनते जाइए। एक गिनती मुख्यमंत्री को भी दे रहा हूं। उन्होंने कहा था कि हम प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चय, टेक्निकल और अल्पसंख्यक संस्थाओं में राज्य शिक्षा सेवा आयोग से भर्ती करेंगे। मैं आयोग की दो उपलब्धि बताया हू कि जब पूर्व चेयरमैन बैठे-बैठे थक गई तो इस्तीफा देकर चली गई। और दूसरी उपलब्धि ये है कि इन्होंने अस्तिस्टेंट प्रोफेसर की जो परीक्षा कराई थी वह पेपर लीक हो गया और रद्द हो गया। बोले आप पता कर लीए पांच संस्थाओं को जो भर्ती का बीड़ा दिया था वह ज़िरो है।

